सेंसेक्स	~	82,200.34
निफ्टी	~	25,090.70
सोना	~	1,00,150
चांदी	~	1,16,000
डॉलर	~	86.24

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 22 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 297
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

नांव पर 76 करोड़ की हेरोइन जब्त

इंफाल। असम राइफल्स ने सोमवार को मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त ऑपरेशन में जिरीबाम जिले में 76 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किए। आईजीएआर (ईस्ट) के पीआरओ की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि छापेमारी में दौरान साबुन के 616 डिब्बों में भरी हेरोइन और 50,000 मेथामफेटामिन की गोलियां जब्त की गईं हैं। नशीले पदार्थों का यह जखीरा एक नाव से जब्त किया गया है। टीम ने जब नाव को रोकने की कोशिश की तो वह भागने लगा। इसके बाद पीछा कर नाव रोक लिया गया। तलाशी के दौरान उसमें से हेरोइन और मेथामफेटामिन की गोलियां जब्त की गईं। चालक को भी अरेस्ट कर आगे की पूछताछ की जा रही है।

खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालेगा पन्नू

अमृतसर। खालिस्तानी आतंकी सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके 15 अगस्त को अमेरिका खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालने का ऐलान किया है। रैली अमेरिकी की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के बाहर निकाली जाएगी। इसके दो दिन बाद यहीं खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह किया जाएगा। वीडियो में पन्नू ने तिरंगा जलाने की भी धमकी देते हुए कहा- तुमने पाकिस्तान पर हमला किया और वो बच गया। हम हिंदुस्तान को तबाह कर देंगे। वीडियो की शुरुआत में पन्नू कहता दिख रहा है कि 15 अगस्त सिख पंथ और पंजाब की आजादी का दिन नहीं है। 1950 का संविधान सिख धर्म को हिंदू धर्म का हिस्सा बताता है। जून 1984 गोल्डन टेंपल पर हमले के बाद ये तिरंगा श्री अकाल तख्त साहिब पर चढ़ाया गया था। उस दिन लाइन खींच दी गई थी। एक तरफ हिंदुस्तानी और हिंदूवादी थे और दूसरी तरफ थे पंजाब और सिख।

एअर इंडिया का विमान रनवे से फिसला

मुंबई । मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई 2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन था, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर चला गया। ये हादसा सुबह लगभग 9ः27 बजे हुआ। इस घटना के बावजूद, विमान को पार्किंग वाली जगह तक लाया गया, जहां सभी यात्री और क्रू मेंबर्स को उतारा गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट के 09/27 रनवे को नुकसान पहुंचा है। सूत्रों ने बताया कि रनवे से बाहर निकलने के दौरान विमान के तीन टायर फट गए। एयरपोर्ट के 09/27 रनवे को बंद कर दिया गया है। ऑपरेशन जारी रखने के लिए दूसरे रनवे, 14/32 को चालू कर दिया गया है।

4 अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर । अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने आज तरनतारन के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, दो स्टार पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनिंदर सिंह के नेतृत्व में राजासांसी डीएसपी इंद्रजीत सिंह की टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में स्वराज, अर्शदीप सिंह, गुलाब सिंह और गौरव शामिल हैं। चारों आरोपी तरन तारन के रहने वाले हैं और तस्करी में एक्टिव हैं। इनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक एक्टिवा स्कूटर भी जब्त की गई है।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार

हंगामें के साथ मानसून सत्र का आगाज...

ऑपरेशन सिंदूर : लोकसभा में 16, राज्यसभा में 9 घंटे होगी बहस : खडगे़ बोले-पहलगाम आतंकी नहीं पकड़े गए, जवाब दें

नई दिल्ली। संसद मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। सदन के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के बाद चर्चा का समय तय किया गया है। हालांकि अभी डेट तय नहीं है। इधर, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा जारी है। विपक्ष ने दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। लोकसभा 4 बजे तक स्थगित है।

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इंटेलिजेंस फेलियर हुआ। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- देश में ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि सरकार पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहती। हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के सभी प्वाइंट्स को देश के सामने रखा जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा, दुनिया ने भारत का सैन्य सार्मथ देखा

22 मिनट में आतंकी ठिकानों को किया जमींदोज

नई दिल्ली । मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। हमने 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 प्रतिशत अचीव किया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है।

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 प्रतिशत अचीव किया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जमींदोज किया गया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व के जिन-जिन लोगों से मिलना होता है, उनमें मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। संसद एक सुर में विजय के भाव से प्रकट करेगी तो देशवासियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही जो रिसर्च, इनोवेशन हो रही है, जो डिफेंस इक्विपमेंट बन रहे हैं, उन्हें मजबूती मिलेगी।

तेजी से सिकुड़ रहा नक्सलवाद का दायरा

पीएम ने कहा कि देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है। चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास, तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं, देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं। हमें गर्व है कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने देश का संविधान विजयी हो रहा है। देश का उज्ज्वल भविष्य में दिख रहा है कि जो कल तक रेड कॉरिडोर थे, आज ग्रीन कॉरिडोर में बदल रहे हैं।

तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था

मोदी ने कहा कि 2014 के पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम 10वें नंबर पर थे, आज तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने पर दस्तक दे रहे हैं। इन दिनों 25 करोड़ गरीबों का गरीबी से बाहर निकलने की सराहना हो रही है। एक जमाना था, जब महंगाई दर डबल डिजिट में होती थी, आज 2त्न के पास है, इससे सामान्य आदमी की जीवन में राहत है। लो इन्फ्लेशन के साथ हाई ग्रोथ अच्छी विकास यात्रा की दिशा है।

मैं विपक्ष का नेता, फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं, बोलना मेरा अधिकार है, मुद्दे उठाना मेरा काम है, लेकिन वे मुझे बोलने नहीं दे रहे।

सरकार एक नया तरीका अपना रही

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक नया तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन से चले गए। अगर वे अनुमति दें तो चर्चा हो सकती है, लेकिन मुद्दा यह है कि परंपरा कहती है कि अगर सरकार के नेताओं को बोलने की अनुमति है, तो हमें भी जगह दी जानी चाहिए। हम बोलना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग पर हंगामा

इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद सदस्यों को ऑपरेशन सिंदूर सहित सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं। प्रश्नकाल दिन का पहला घंटा होता है, जिसमें सदस्य विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित प्रश्न उठाते हैं।

राज्यसभा से बिल ऑफ लैडिंग बिल 2025 पास हुआ

मानसून सत्र के पहले दिन चर्चा के बाद राज्यसभा से बिल ऑफ लैडिंग बिल 2025 पास हो गया है। यह बिल 1856 के भारतीय बिल्स ऑफ लैडिंग एक्ट की जगह लेगा। यह बिल लैडिंग (माल पत्र) जारी करने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है। दरअसल, जब कोई सामान समुद्र के रास्ते भेजा जाता है, तो उसके साथ एक बिल ऑफ लैडिंग नाम का डॉक्यूमेंट बनता है। यह डॉक्यूमेंट यह पक्का सबूत होता है कि सामान जहाज में लोड कर दिया गया है।

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग की प्रक्रिया शुरू, 207 सांसदों का समर्थन

दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नकदी नोट मिलने के मामले में घिरे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन, लोकसभा में 145 और राज्यसभा में 54 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट को छह नए न्यायाधीश मिले

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट को सोमवार को छह नए न्यायाधीश मिले, इससे स्वीकृत पदों की संख्या 60 के मुकाबले प्रभावी संख्या 40 हो गई। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उच्च न्यायालय परिसर में इन न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, नितिन वासुदेव साम्ब्रे, विवेक चौधरी, अनिल क्षेत्रपाल, अरुण कुमार मोंगा और ओम प्रकाश शुक्ला शामिल हैं। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने हिंदी में शपथ ली, जबकि शेष पाँच न्यायाधीशों ने अंग्रेजी में शपथ ली। न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे का बॉम्बे उच्च न्यायालय से स्थानांतरण हुआ था, जबकि न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और ओम प्रकाश शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति क्षेत्रपाल पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में और न्यायमूर्ति मोंगा राजस्थान उच्च न्यायालय में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली वापस भेजा गया है। इसके अलावा, दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति विभु बाखरू को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए जाने पर 16 जुलाई को औपचारिक विदाई दी गई।

कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ चलेगा महाभियोग

207 सांसदों ने प्रस्ताव का किया समर्थन

नई दिल्ली। कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ संसद में महाभियोग चलाने की कार्यवाही शुरू हो गई है। हाई कोर्ट के जज वर्मा अपने आवास पर बेहिसाब नकदी मिलने के बाद कदाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा के 145 सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। वहीं, राज्यसभा में 54 सांसदों ने हाई कोर्ट जज वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपे जाने के बाद जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए आगे की कार्यवाही शुरू हो गई है। संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत दायर इस महाभियोग प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू, सीपीएम सहित विभिन्न दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ। प्रस्ताव पर अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसदों में हस्ताक्षर किए। उच्च सदन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला एक प्रस्ताव मिला है, जिस पर 50 से अधिक राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हाई कोर्ट जज को पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जरूरी संख्या से ज्यादा सांसदों का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि अगर एक सदन में प्रस्ताव आए तो प्रीसाइडिंग ऑफिसर के पास यह अधिकार होता है कि वह उसे स्वीकार करे या खारिज कर दे। लेकिन अगर दोनों सदनों में एक ही दिन मोशन आता है, तो यह सदन की प्रॉपर्टी हो जाता है।

संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव को पर्याप्त समर्थन

राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश, हाई कोर्ट के एक चीफ जस्टिस और एक सदस्य को लेकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाती है। इस कमेटी की रिपोर्ट के बाद स्पीकर या चेयरमैन मोशन पर फैसला ले सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्य सभा के सेक्रेटरी जनरल से इस बात की पुष्टि करने के लिए कहा कि क्या यह मोशन लोकसभा में भी आया है।

2006 मुंबई लोकल ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 लोग निर्दोष करार

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में 12 लोगों की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। कोर्ट ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी भी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह फैसला उस आतंकवादी हमले के 19 साल बाद आया है, जिसने मुंबई के पश्चिमी रेलवे नेटवर्क को हिलाकर रख दिया था। हमले में 180 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। जस्टिस अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूत आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए काफी नहीं थे। कोर्ट ने कहा, अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इसलिए उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाती है। पीठ ने कहा कि वह पांच दोषियों को दी गई मृत्युदंड और शेष सात को आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखने से इनकार करती है और उन्हें बरी करती है। कोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

केरल के पूर्व सीएम अच्युतानंदन का निधन

तिरुअंनतपुरम। केरल के पूर्व सीएम और सबसे वरिष्ठ कम्युनिस्ट पार्टी नेता वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को निधन हो गया। वह 101 वर्ष के थे और पिछले कई सालों से बिस्तर पर ही थे। अच्युतानंदन 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री रहे और दशकों तक सीपीएम के एक प्रमुख नेता रहे। साथ ही केरल विधानसभा में सबसे लंबे समय तक विपक्ष के नेता रहे।

ट्रेड यूनियन गतिविधियों और 1939 में राज्य कांग्रेस के जरिए अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने के बाद वे 1940 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने नारियल के रेशे के कारखानों के मजदूरों, ताड़ी निकालने वालों और खेतिहर मजदूरों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नशामुक्त समाज का संदेश देने आईजी, पुलिस कर्मियों सहित युवाओं ने लगाई दौड़

अधिकारियों कर्मचारियों सहित ढाई हजार लोगों ने लिया हिस्सा, पुलिस लाईन से नशा से दूरी ड्रग अवेयरनेस रन के माध्यम से दिया संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की जनता को नशे से दूर रहने का संदेश देने के लिए सोमवार को पुलिसअमले और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नशा से दूरी ड्रग अवेयरनेस रंन का आयोजन किया गया। करीब 5 किलोमीटर कि इस दौड़ में आइ र्जी संजय सिंह सहित पुलिस महकमें के अन्य अधिकारी कर्मचारियो व स्कूली बच्चों सहित करीब ढाई हजार लोगों ने दौड़ के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

डेढ़ घण्टा देरी से शुरू हुई दौड़

आपको बताए कि इस दौड़ का आयोजन सुबह 7 बजे किया जाना था। लेकिन यह दौड़ करीब 8:30 बजे शुरू हुई। तय समयावधि से डेढ़ घंटा विलंब से प्रारंभ हुई दौड़ के दौरान, प्रतिभागियों, स्कूली विद्यार्थियो, सेवाभावी संस्थाओं का पूरा ध्यान रखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों को जुंबा डांस के माध्यम से नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें एक शार्ट वीडिया फिल्म नशे से दूरी है जरूरी, थीम पर नशे के दुष्परिणामो से अवगत कराया। जिसके बाद 5 किलोमीटर की रन प्रारंभ की गई। इस बीच, आईजी संजय सिंह ने सभी पुलिसकर्मियों, महाविद्यालय एवं विद्यालयीन छात्र, छात्राओं को, क्षमता के अनुसार नशा मुक्ति के लिए हरसंभव प्रयास करने की शपथ दिलाई गई।

प्रमाणपत्र का किया गया वितरण

ड्रग अवेयरनेस रन, पुलिस लाईन से काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक, हनुमान चौक से वापस होकर सक्रिट हाउस मार्ग, जयस्तंभ होते हुए लाईन पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। जहां सभी शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में आईजी संजय सिंह, डीआईजी मुकेश कुमार, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, एसडीएम गोपाल सोनी, नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, युवा नेत्री इंजी. मौसम, एएसपी आदर्शकांत शुक्ला, सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया, एसडीओपी अभिषेक चौधरी सहित थाना प्रभारी, थानो और लाईन का अमला मौजूद रहा।

नशे से दूर रहने का संदेश विभिन्न माध्यम से दिया गया है-आईजी

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान आईजी संजय सिंह ने बताया की जिले में अवैध रूप से बिक रही नशीली दवाओं पर पुलिस ग्रामीण क्षेत्रो में जाकर जागरूकता अभियान के साथ ही प्रभावी कार्यवाही भी कर रहा है। आज का यहां कार्यक्रम लोगों में जन जागृति लाने के लिए आयोजित किया गया था। ताकि लोग नशे से दूर रहें। इसके प्रभाव में ना पड़े ।क्योंकि आज सबसे ज्यादा युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है। उसी को लेकर यहा आयोजन था। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया है।

नशा, समाज और देश को खोखला करता है-मिश्रा

एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि पुलिस महानिदेशक और सरकार की अच्छी पहल है कि रोकथाम ही ईलाज, यह हम लोगों को बता पाए कि नशा, समाज और देश को खोखला करता है।जिसके प्रति हमें जागरूक होना होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा पीढ़ी और बच्चे, यदि किसी गलत संगत में बिगड़ जाए तो उन्हें लड़खड़ाने से बचाने के लिए, यह एक अच्छा कार्य है। यही समझाने यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें जुंबा डांस से लेकर शार्ट वीडियो फिल्म तक नशे के दुष्प्रभाव को लेकर बताया गया और खुशी की बात है कि ड्रग अवेयरनेस रन, उन क्षेत्रो से गुजरी, जहां बच्चो से लेकर बड़ो में नशा के प्रति जागरूकता की जरूरत है। इस रन में तकरीबन दो से ढाई हजार लोगों ने यह समझा कि यदि वह नशे से दूर रहेंगे तो भविष्य अव्वल रहेगा और देश सबसे अच्छा रहेगा।

कावड़ यात्रा को लेकर ग्राम टेकाड़ी में नवयुवक ग्रामीण एकता समिति की बैठक संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सावन मास के पावन अवसर पर जिले भर में कावड़ यात्रा का दौर जारी है ।जहां भक्तगण वैनगंगा नदी सहित अन्य जलाशयों का जल अपने कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जगह-जगह जलाभिषेक कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम टेकाड़ी नवयुवक ग्रामीण एकता समिति द्वारा 3 अगस्त को शंकर घाट से

ग्राम टेकाड़ी स्थित शिव मंदिर के लिए कावड़ यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया है ।इस निर्णय को साकार करने के लिए ग्राम टेकाड़ी स्थित देवी मंदिर में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया ।आयोजित इस बैठक में नवयुवक ग्रामीण एकता समिति के पदाधिकारियो सदस्यों द्वारा वैनगंगा नदी शंकर घाट से जल लेकर डीजे की धुन पर कावड़ यात्रा ग्राम टेकाड़ी के लिए निकालने और उसके अगले दिन भगवान भोलेनाथ का जलभिषेक किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा महा प्रसाद का वितरण सहित अन्य कार्यक्रमो को लेकर रूपरेखा बनाई गई। समिति संयोजक डॉ. डीसी पटले की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस बैठक में समिति सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि सावन मास के पावन अवसर पर सभी लोग पवित्र नदियों का जल लेकर भगवान शंकर का जलाभिषेक करते हैं हम लोग भी माता वैनगंगा नदी के जल से भगवान शंकर भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे ।सभी लोगों ने निर्णय किया कि आगामी 03 अगस्त के दिन को रविवार को ग्राम टेकाड़ी से सभी लोग वैंनगंगा नदी शंकर घाट पहुंचेंगे। वहां से कावड़ में जल लेकर पैदल ग्रामीण जनता के साथ डीजे साउंड लेकर कावड़ यात्रा निकालेंगे और ग्राम टेकाड़ी शिव मंदिर पहुंचेंगे। जहां सभी कावडिए रात्रि विश्राम शिव मंदिर में ही करेंगे ।जिसके अगले दिन 4 अगस्त दिन सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। वहीं शाम को प्रसादी का वितरण किया जाएगा ।आयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से डॉ. डीसी पटले ,सुधुलाल बाहेश्वर, शैलेंद्र पांचे, योगेश गाड़ेश्वर, विनोद पांचे, ढिमरुलाल देशमुख, राजेश यादव, कैलाश पटले, शंकरलाल मात्रे, मुकेश खैरवार, रवि, दत्ता बाहेश्वर, पवन यादव, राजू पांचे, विजय सोनी, जितेंद्र सोनी, नगेंद्र मात्रे, सुनील मात्रे, गोविंद हिवेन्द्रवार, आसु टेकाम, अनिल पाचे, खेमेन्द्र सोनी, आशीष बाहेश्वर,और सुभाष पाचे, सहित समिति के अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सावन मास के दूसरे सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा, भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु, निकाली गई कावड़ यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में दूसरे सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के दूसरे सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी ।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई ।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई। वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के दूसरे सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही ।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है ।जहा भक्तो द्वारा शिवलिंगों का दूध, जल से अभिषेक किया गया ।वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा ।भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, भटेरा शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया ।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप,और रुद्राभिषेक किया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

भक्ति भाव के साथ है जारी कांवड़ यात्रा

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है। खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार और शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है ।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है ।जिसका एक नजारा पहले सावन सोमवार की तरह दूसरे सावन सोमवार को भी देखने को मिला। जहा बाबा भोलेनाथ के भक्त वैनगंगा नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए तो कुछ भक्तो ने कावड़ धारण कर भोलेनाथ के दूर दराज मंदिरों के लिए कावड़ यात्रा शुरू की। जहां श्रद्धालु भक्त वैनगंगा सहित अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति में जुटे हुए है।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के दूसरे सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए ।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

कलार समाज का सत्कार समारोह संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलार समाज के स्व. महापुरुषों स्व. फागुलाल सोनेकर किरनापुर, स्व. प्रोफेसर एन.बी.रहमतकर लांजी, स्व. डॉ. आर.डी. पशिने लांजी, स्व. भोजलाल बिसेन कुंडे मोहगांव, स्व. सुनील कुमार पशिने बालाघाट, स्व. अशोक शेंडे किरनापुर, और स्व. छत्रपति दियेवार किरनापुर की पुण्य स्मृति में शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान हेतु तथा युवाओं के कैरियर मार्गदर्शन हेतु यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि कृष्ण कांत बावनथड़े तथा अध्यक्षता बी.आर. सोनेकर, विशिष्ट अतिथि सुमित चौरे बालाघाट सहस्त्रबाहू फाउंडेशन वाईस चेयरमेन , कोसल बाई सोनेकर, संतोष मेहरबान, भूपेंद्र धुवारे, भगीरथ राउत, छगन लाल सोनेकर, श्रीमती माया रहमतकर, लक्ष्मीकांत बावनथडे, बबलू खानोरकर, बेनीराम तेलासी, सुधाकर पटले, नरेंद्र धुवारे , श्रीमती निशि पशिने, रानिका धुवारे, जे.एल. देशमुख, जयश्री सोनवाने, रूपेंद्र सिरसाज, सत्यभामा शेंडे, डॉ. डी एल, बाकट, सुभाष साव हट्टा, बेनीराम तेलासी, ऊषा धुवारे, पूनम खोबरागड़े, नरेन्द्र सिरसाज रहें ।कार्यक्रम के दौरान 10वीं एवं 12वीं में अव्वल अंक प्राप्त करने वाले 50 से ज्यादा बच्चों को मेडल देकर सम्मान किया गया तथा कलार समाज के प्रति गर्व महसूस किया गया। वही आने वाली पीढ़ी से उम्मीद जताई गई की इसी तरह प्रदर्शन करते हुए समाज का गौरव बढ़ाएं। कार्यक्रम में दीपक हरडे , शिवदयाल मलघाटी, संदीप सिरसाज, अशोक मेश्राम, खिलेंद्र सेवईवार, राहुल जेमी, आशीष बिजेवार, पंकज सोनगडे, शुभम चौरागडे, संजय धुवारे ,अशोक ऊके, शिवम धुवारे, योगेंद्र मलघाटी, मनीषा तेलासे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी वक्ताओं के द्वारा समाज में अपनी अपनी बातों पर प्रकाश डाला गया तथा समाज विकास के प्रति चिंतन मनन भी किया गया। समाज को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर भी विचार किया गया। जिसके चलते समाज के सभी लोगों ने अपना अपना सहयोग दिया तथा समाज को आगे बढ़ाने हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान,प्रेरणादायक उद्बोधन,कैरियर मार्गदर्शन सत्र, विशेष अतिथियों का अनुभव साझा किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन राम तिलासे, संजय सोनेकर ने किया। वही आभार प्रदर्शन आयोजन समिति की अध्यक्ष श्रीमती लता मलघाटी एवं ऊषा सिरसाज ने आभार व्यक्त प्रदर्शन किया। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सराहनीय रही।

गुम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विजेता गोंडाने आयु-29 वर्ष पिता श्री मोहनलाल गोंडाने जाति महार निवासी वार्ड नं.01 बूढी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट म0प्र0 की निवासी हूँ।

मैने वर्ष 2019 में बी.एस.सी. नर्सिगं भोपाल से पूर्ण किया गया था जिसका रजिस्ट्रेशन मुझे प्रदान किया गया था। यह कि मेरा उक्त जिस्ट्रेशन दिनांक 25.06.2025 को उचित रख रखाव के अभाव में घर पर ही कहीं गुम हो चुका है जिसे काफी खोजनें पर भी नंहीं मिल पा रहा है। यह कि, उपरोक्त बी.एस.सी. नर्सिंग रजिस्ट्रेशन का किसी व्यक्ति द्वारा दुरूपयोग न करे तथा उक्त दस्तावेजो की द्वितीय प्रति प्राप्त कर सूचना दर्ज करने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

अतः महोदय जी से निवेदन है कि बी.एस.सी. नर्सिंग का रजिस्ट्रेशन गुम की सूचना दर्ज किया जाकर पावती प्रदान करने की कृपा करे।

आवेदिका
विजेता गोंडाने पिता मोहनलाल गोंडाने
पता-वार्ड न. 01 बुढी बालाघाट(म.प्र.)

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है
कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है
वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

नाम सुधार सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै श्रीमती मोनिका दमाहे पति नंदकिशोर दमाहे ग्राम खैरलाजी तहसील खैरलांजी निवासी हुँ। मेरे पुत्र समर्थ दमाहे (SAMARTH DAMAHE) का जन्म 21 मार्च 2017 को शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट में हुआ था। जिसका जन्म प्रमाण पत्र मेरे द्वारा प्राप्त किया जा चुका है मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र मे मेरे एवं मेरे पुत्र के पिता के नाम के साथ सरनेम (**दमाहे**) दर्ज नही है।

अतः जन्म प्रमाण पत्र में सभी के नाम के साथ हमारी सरनेम **दमाहे** दर्ज किया जावें।

शपथकर्ता
मोनिका दमाहे
खैरलांजी जिला बालाघाट(म.प्र.)

In The Court Of II Civil Judge Class-I,Civil Court Waraseoni,District Court, Balaghat

Presiding Officer:- ऋषभ डोनल सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000004/2023)

जितेन्द्र गजभिये.......................................आवेदक
Vs
भविष्य निधि क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर ....अनावेदक

Process Id-92/2025
पेशी दिनांक :- 26/08/2025

प्रेषिती-
आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेन्द्र गजभिये, सविन्द्र आत्मज गोपीचंद पता सालेटेका तहसील खैरलॉजी जिला बालाघाट ने मृतक गोपीचंद गजभिये आत्मज मिट्ठु गजभिये निवासी सालेटेका तहसील खैरलॉजी जिला बालाघाट की भविष्य निधि क्षेत्रीय कार्यालय विजय नगर जबलपुर म.प्र. में पी.पी.आले. नं. म.प्र./जबलपुर/18894 में 84600/- रूपये की राशि जमा है। उक्त राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक **26 August 2025** को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक **26 August 2025** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख **18 July 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दें-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड बैहर, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

Presiding Officer: शिवानी असाटी

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000002/2025)

चैनसिंह कंगाले.........................आवेदक
Vs
शासन म0प्र0........................ अनावेदक

Process Id-/2025
पेशी दिनांक :- 04/08/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक **चैनसिंह कंगाले पिता ब्रजलाल कंगाले गोदपुत्र सूरजलाल कंगाले पता बीजाटोला परसवाडा तहसील परसवाडा जिला बालाघाट** ने मृतक सत्तोबाई पति सूरजलाल निवासी बीजाटोला परसवाडा तहसील परसवाडा जिला बालाघाट स्वास्थ्य विभाग म0प्र0 में पदस्थ होकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परसवाडा में महिला वार्ड बॉय के पद पर पदस्थ होकर शासकीय सेवा में रहते दौरान मृत्यु हो जाने से अनुकम्पा नियुक्ति व सभी शासकीय मदों से प्राप्त होने वाली राशि एवं उनकी चल अचल संपत्ति करने हेतु उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक **04 August 2025** को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक **04 August 2025** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख **25 June 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायधीश
खंड प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड बैहर,
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

टिप्पणी: उपस्थिति हेतु।

कृपया ध्यान दें-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बनी चोरों का अड्डा

पुलिस गश्त पर उठ रहे सवाल, 10 दिनों में 5 से 6 मकान को अज्ञात चोरों ने बनाया अपना निशाना, वार्डवासीयों में भय का माहौल, कैमरे में कैद हुये चोर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों कोतवाली थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों का बोलबाला है। अज्ञात चोरों द्वारा शहर के अलग-अलग वार्डों में सूने मकान, दुकान और भवनों को अपना निशाना बनाया जा रहा है। लगातार हो रही चोरियों के कारण अब पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 25 पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में अज्ञात चोरों द्वारा बीते कुछ दिनों से एक दिन के अंतराल में लगातार चोरी की जा रही है। अज्ञात चोरों ने कॉलोनी में बीते 10 दिनों के अंदर 5 से 6 सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के जेवरात सहित नगदी पार कर दिये है । चोरों का वीडियो भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुका है। हो रही लगातार चोरी से अब वार्ड वासियों में भी भय उत्पन्न होने लगा है। यहां 20 जुलाई की प्रात: वार्ड वासियों ने एक चोर को भी पकड़ने की कोशिश की थी किंतु अज्ञात चोर अधिक भीड़ को देखकर भाग गया।

आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से शहर के अलग-अलग वार्डों में चोरी की वारदातें बढ़ती ही जा रही है। अज्ञात चोर लगातार शहर के सुने मकान दुकान और भवनों को दिन में रैकी कर रात्रि के समय चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस चोरी का खुलासा नहीं कर रही है ।कुछ चोरियों का पुलिस ने खुलासा भी किया है। किंतु जितनी चोरियां पकड़ी जाती है। उससे दो से तीन गुना चोरियां अज्ञात चोरों द्वारा पुन: कर ली जाती है। इन दिनों अज्ञात चोरों ने पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी वार्ड क्रमांक 25 को चोरी करने का अड्डा ही बना लिया है। यहां बीते कुछ दिनों से चोरों द्वारा लगातार चोरी की जा रही है। 10 दिनों के अंतराल में लगभग 5 से 6 सूने मकान से अज्ञात चोरों ने जेवरात के साथ लाखों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इन हुई चोरियों के दौरान अज्ञात चोर साफ-साफ सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहे हैं ।अज्ञात चोर बिना डरे ही वार्डों में आ रहे हैं। चोरी कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे में उनका पूरा चोरी करता हुआ वीडियो भी कैद हुआ हैं। वार्डवासियों द्वारा चोरों का वीडियों भी सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। 20 जुलाई की प्रात: तो वार्ड वासियों द्वारा वार्ड में अज्ञात चोरों को पकड़ने की कोशिश भी की गयी थी। किंतु अधिक भीड़ की आहट पाकर अज्ञात चोर कॉलोनी से फरार हो गए। कुछ वार्ड वासियों का मानना यह भी है कि अज्ञात चोरों द्वारा सुबह के समय 3:00 बजे से 5:00 बजे ही सुबह-सुबह चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता हैं। इस प्रकार हो रही लगातार चोरी के कारण वार्ड वासियों में भय का माहौल बन गया है । पुलिस द्वारा की जाने वाली रात्रि गश्त पर भी वार्ड वासी सवाल उठा रहे हैं ।उनका कहना है कि जब लगातार कॉलोनी में चोरियां हो रही है तो पुलिस रात्रि में गश्त कहां कर रही है ।इन दिनों पुन: चोरी के मामले में एक बार फिर शहर में अज्ञात चोरों का बोलबाला शुरू हो गया है ।इससे पहले भी एक बार दिन के समय लगातार हो रही चोरी के कारण बालाघाट शहर मुख्यालय चोरी के मामले में चर्चा में आ गया था । पुन: फिर एक बार लगातार अलग-अलग वार्डों में हो रही चोरी के कारण जिला मुख्यालय चोरी को लेकर चर्चाओं में बन गया है।

चोर लगातार वार्ड के सुनने मकान में चोरी कर रहे है - शिव

वार्डवासी शिव जायसवाल बताते हैं कि उनके वार्ड में लगातार अलग-अलग वार्ड वासियों के यहां एक दिन के अंतराल में चोरियां हो रही है। चोरियां कोई छोटी नहीं है। लाखों रुपए की चोरियों की वारदात वार्ड में हो रही है । अज्ञात चोर लगातार वार्ड के सुनने मकान को अपना निशाना बना रहे हैं। साथ ही उन्होंने पुलिस गश्त पर भी सवाल उठाए उन्होंने कहा कि प्रेम नगर एक रिहायसी क्षेत्र के अंतर्गत आता है ।यहां चोरियां होना बहुत ही आश्चर्य की बात है । जबकि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा चुनाव के समय कहा गया था कि वह वार्ड में सीसीटीवी कैमरा लगवाएंगे। किंतु उनकी भी घोषणा पूरी नहीं हुई। उन्होंने मांग की है कि तत्काल अज्ञात चोरों को पकड़ कर चोरी की वारदात को खोलें।

लगातार चोरी के कारण वार्ड में भय का माहौल है - सागर

वार्डवासी सागर बताते हैं कि वह प्रेम नगर में रहते हैं । बीते दिनों से हो रही लगातार चोरी के कारण वार्ड में भय का माहौल है ।वार्ड वासी अब डरने लगे हैं । कभी भी चोर तो नहीं आ जाएंगे और सभी वार्ड वासियों ने अपने घरों में सीसीटीवी कैमरा भी लगा रखा है। लेकिन चोर भी निडर होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी अज्ञात चोर चोरी करते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि उनके क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और जो वार्ड में अलग-अलग चोरियां हुई है उसे जल्द से जल्द ट्रेस किया जाए।

इन लोगों के यहां हुई चोरियां

वार्ड क्रमांक 25 पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में संदीप जैन ,कश्यप सोनी, आर.के वाघेला, बंटी बत्रा, सहित 5 से 6 वार्ड वासियों के घरों में अज्ञात चोरों ने अभी तक सुना मकान देखकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इन सब अलग-अलग चोरियों की वारदात में लगभग लाखों रुपए की चोरी की घटना हुई है। जबकि आर.के वाघेला के घर में 2 लाख कैश सहित जेवरात को लेकर 5 लाख रूपये की चोरी की घटना घटी थी ।वह अपनी बेटी की शादी की खरीदारी करने बाहर गए हुए थे। उस दौरान उनके घर पर चोरी हुई है । अभी तक चोरी का खुलासा भी नहीं हुआ है। जबकि सीसीटीवी कैमरे में चोर साफ चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं।

वार्ड क्रमांक 4 में हुई 12 लाख की चोरी

शहर के वार्ड क्रमांक 4 की महिंद्रम कॉलोनी में शनिवार रात्रि अज्ञात चोरों ने लगभग 12 लाख रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। वार्ड क्रमांक चार निवासी रविकांत पारधी अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। इस दौरान चोरों द्वारा सुना मकान देखकर रात्रि 2:00 बजे के बाद घर में रखे सोने ,चांदी के जेवरात के साथ कुछ कैश पर हाथ साफ करते हुए लगभग 12 लाख रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है।

पेंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट से चलाए जाने की मांग को लेकर ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति के पदाधिकारीयों द्वारा पेंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट से चलाई जाने की मांग को लेकर स्थानीय रेलवे स्टेशन में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा गया हैं । उन्होंने बताया कि आज पेंचवेली एक्सप्रेस यदि बालाघाट से चलाई जाती है तो बालाघाट के यात्रियों को बड़े महानगरों तक जाने के लिए इससे सुविधा मिलेगी । इसी मांग को लेकर रेलवे विभाग को ज्ञापन दे रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि पेंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट से चलाया जाए। ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सिंह बैस के नेतृत्व में पुन: एक बार पेंचवेली एक्सप्रेस को बालाघाट से चलाए जाने तथा रीवा बालाघाट पुणे एक्सप्रेस, जबलपुर बालाघाट रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को जल्द से जल्द प्रारंभ करने की मांग के साथ बालाघाट रेलवे स्टेशन में गगन भेदी नारों के साथ प्रदर्शन किया गया । जहां उन्होंने कहा कि बालाघाट से प्रतिदिन हजारों की संख्या में भोपाल एवं इंदौर के लिए यात्री यात्रा करते हैं । विगत दिनों 14 जुलाई को नैनपुर रेलवे स्टेशन से भोपाल इंदौर के लिए पेंचवेली एक्सप्रेस प्रारंभ की गई है। जिसे यदि बालाघाट से प्रारंभ कर दिया जाता है तो एक ओर जहां रेल विभाग को भारी राजस्व प्राप्त होगा वहीं दूसरी ओर बालाघाट जिले के लिए यह एक विकासशील कदम होगा। इसके अलावा विगत दो माह पूर्व रेल मंत्री द्वारा घोषित रीवा बालाघाट पुणे एक्सप्रेस तथा जबलपुर बालाघाट रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस जल्द से जल्द प्रारंभ होना चाहिए। ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति ने ऑटो चालकों की समस्याओं को भी रखकर समाधान की मांग की । उक्त अवसर पर जिला बार कौंसिल अध्यक्ष आनंद टेंभरे ,निखिल गौतम, मधु बिसेन, शंकर कनौजिया, अजय बिसेन, रजनीश रहागडाले, महेंद्र पचौरी ,विक्रम पांडे, शमीम सिद्दीकी, सेवादल अध्यक्ष जीतू बर्वे, राहुल विचार मंच अध्यक्ष जावेद अली, शैलेन्द्र पटेल, आनंद सिंह, गोविल चौरे, गगन पारधी ,जुबेर भंडारी, डॉ अमर बिसेन, जुबेर भंडारी,धर्मेंद्र बोपचे, शाहबाज , मकसूद खान, राहुल सिंह बेस, राजा नगपुरे ,राजू बारेकर रामकिशोर बंजारे, धर्मेंद्र छिपेश्वर, महेंद्र , दीपक बंजारे ,राजेंद्र ,राजू भोतेकर, नंदा खांडेकर, नरेंद्र सोनबरसे, सुधीर बंजारे, बादल बिसेन ,साहिल बिंजड़े, लेखन दांडेकर, जितेंद्र डार ,महेश बारेकर उपस्थित थे।

दि बुद्धिस्ट सोसा.ऑफ इंडिया की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विभिन्न बिन्दुओ पर किया गया विचार-विमर्श

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । नगर के बूढ़ी रोड स्थित कार्यालय में ,दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया ।आयोजित इस बैठक के दौरान पदाधिकारियो ने संस्था के केंद्रीय कार्यालय मुंबई के निर्देशानुसार 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद महाबोधि विहार बोधगया मुक्ति आंदोलन की रूपरेखा बनाने, सदस्यता अभियान में साधारण, सक्रिय एवं आजीवन सदस्य बनाने ,वर्ष 2025-26 धम्म यात्राओ के आयोजन की रूपरेखा बनाने, बौद्धाचार्य (संस्कारकर्ता) परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को चैत्यभूमि मुंबई से जारी प्रमाण पत्र वितरण करने,आगामी 2-3 अगस्त को किरनापुर मुख्यालय में आयोजित अंधश्रद्धा/ चिंतन/कार्यकर्ता/ प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न किए जाने हेतु धम्मदान एकत्रित कर सम्पूर्ण आयोजन की रूपरेखा बनाने, समता सैनिक दल को सक्रिय कर मज़बूत बनाने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए ।सभी शाखा प्रमुखों ने अपनी अपनी प्रगति रिपोर्ट सभा में प्रस्तुत की। यह बैठक संस्था के मप्र राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढ़ेंगरे के मुख्यातिथ्य में, जिलाध्यक्ष बालाघाट एस.एल.रंगारे की अध्यक्षता में,तथा हेमलता डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष, आर के कठाने प्रदेश सचिव, राजकपूर कामडे प्रदेश कार्य.सचिव के प्रमुख आतिथ्य में सम्पन्न हुई ।इस अवसर पर जिला शाखा से प्रमिला ताई चौहान कोषाध्यक्ष,खुशियाल मेश्राम-देवानंद रंगारे उपाध्यक्ष, धरम श्यामकुवर-अशोक कुमार मेश्राम-पी आर चोरे सचिव,आनंद वैध संगठक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बौद्धाचार्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वालो को प्रमाण पत्र का किया वितरण

बताया गया कि वर्ष 2025 में बौद्धाचार्य परीक्षा रामदास ठवकर, आर के कठाने, राजकपूर कामडे, खुशियाल मेश्राम, धनराज खोबरागड़े, किशोर मेश्राम, जितेंद्र हिरकने, प्रणय ऊके, राहुल बोरकर, नितेश गजभिए ने उत्तीर्ण की ।उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ये संस्था के प्रशिक्षित अधिकृत बौद्धाचार्य हो गए,इन्हीं से धम्म के संस्कार कराने की भी बात कही गई ।आयोजित बैठक में खैरलांजी से कैलाश भोरजार, वारासिवनी से अभिराज मेश्राम धर्मेंद्र घोड़ेसवार मुकेश पटले, किरनापुर से दुरेन्द्र सावनकर, गौतम भीमटे, बी एल घल्लेकर, लांजी से गजेन्द्र नागदौने, सुनील मेश्राम, लालबर्रा से प्रहलाद मेश्राम, राजकुमार गेडाम, संजीव राव गजभिए, धनराज खोबरागड़े बेहरई, हट्टा से देवानंद रंगारे, हरिचंद गौरकर रटापायली से देवेंद्र रंगारे, अक्षय मेश्राम,आत्तदीप रंगारे, चंद्रशेखर रंगारे कोसते, हेमराज मेश्राम खारा आदि जगह से पदाधिकारी शामिल थे ।अंत में समापन गाथा के साथ बैठक का समापन किया गया।

सच्चे बुद्धिस्ट,आंबेडकर अनुयाई होने से सभी समस्याओं का हल संभव है- ढेगरे

आयोजित बैठक की शुरुवात सामूहिक पूजा वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुई ।ततपश्चात मुख्य अतिथि डॉ.चरनदास ढेंगरे ने विस्तृत रूप से धम्म संस्था के माध्यम से धम्म कार्य अधिक गतिमान करने एवं बैठक के बिंदुओं पर जानकारियां दी ।उन्होंने बताया कि सभी पदाधिकारियो ने संस्था के प्रति निष्ठावान, समर्पित होकर धम्म कार्य करना चाहिए, संस्था के सभी आयोजनों में अपनी उपस्थिति देना चाहिए, वर्तमान में संस्था के प्रति सभी कार्यकर्ताओ की निष्ठा, ईमानदारी, लगन एवं कार्य शैली देखते हुए भविष्य में संस्था के कार्यों में उनकी जवाबदारी तय होगी ।उन्होंने आगे बताया कि सच्चे बुद्धिस्ट,आंबेडकर अनुयाई होने से सभी समस्याओं का हल संभव है।

सभी शाखा निष्ठा एवं लगन से करे कार्य -रंगारे

जिलाध्यक्ष एस एल रंगारे ने सभी शाखाओं से निष्ठा एवं लगन से कार्य कर वर्ष 2025-26 के लक्ष्य की पूर्ति हेतु कार्य करने के लिए आव्हान किया ।उन्होंने बताया कि हमारी धम्म संस्था द्वारा किए जाने वाले धम्म कार्य सर्वोपरि है,संस्था के पदाधिकारी रहते हुए अन्य कार्यों में ध्यान देना यह संगठन ओर बाबासाहब के साथ धोखा है।

काव्य सृजन एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।राष्ट्र कवियों की स्मृति में आगामी दिनों काव्य सृजन एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजन किया जाना है जिसको लेकर सहमत एवं हिन्दी साहित्य भारती की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया ।सर्किट हाउस बालाघाट में आयोजित इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। सर्व सम्मती से निर्णय लिया गया कि आगामी 3 अगस्त को महाकवि तुलसी दास जी, राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त जी एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंतियों के उपलक्ष्य में बालाघाट जिले के निवासियों के लिए आयोजित काव्य प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक आयु के रचनाकार भाग ले सकते हैं ।जो प्रविष्टि शुल्क सहित स्वेक्षिक विषय पर तीन पदों की या अधिकतम 18 पंक्तियों की कोई भी विधा में रचित रचना (गीत, गज़ल, मुक्तक, छंद या मुक्त छंद इत्यादि) एक कागज पर नाम, पता मोबाईल नंबर सहित रचना की मौलिकता की स्वहस्ताक्षरित घोषणा के साथ सुंदर लिखावट में या टंकित करवाकर संबधीतो के पास जमा कर सकते हैं । जिसकी अंतिम तिथि 27 जुलाई रखी गई है। इसी तरह शालेय स्तर पर कक्षा 10 वीं से कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों हेतु रामचरित मानस में वर्णित भ्रातृप्रेम विषय पर न्यूनतम 200 से अधिकतम

250 शब्दों में नि:शुल्क निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है। निबंध प्रतियोगिता हेतु समस्त विद्यालय के प्राचार्य/ प्रभारी शिक्षक अपने विद्यालय के प्रथम तीन श्रेष्ठ निबंध को एक लिफाफे में बंद कर स्कूल का नाम, पता तथा संपर्क नंबर लिखकर सम्बधितो तक दिनांक 30 जुलाई तक जमा करवाएंगे। काव्य सृजन प्रतियोगिता हेतु आयोजन समिति द्वारा प्रथम द्वितीय एवम तृतीय पुरस्कार हेतु क्रमश: 3000रु/ 2000रु/ एवं 1000रु/ तथा दो सांत्वना पुरस्कार हेतु 500रु/ राशि घोषित की गई है ।इसी तरह निबंध प्रतियोगिता हेतु क्रमश: 2100रु/प्रथम, 1500रु/ द्वितीय एवं 1000रु/ तृतीय पुरस्कार की राशि घोषित की गई है। दोनों प्रतियोगिताओं के प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जायेंगे । विजेताओं की घोषणा दिनांक 3 अगस्त के मुख्य कार्यक्रम में सायंकाल 4. बजे की जायेगी ।जिसमें काव्य सृजन प्रतियोगिता के चयनित 15 प्रतिभागियों को मंचीय प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जायेगा। उपरोक्त बैठक में पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, वरिष्ठ शिक्षाविद श्रीमती लता एलकर, हिन्दी साहित्य भारती प्रदेश अध्यक्ष एवं सहमत संस्था अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ल सहज, वरिष्ठ समाजसेवी सत्य नारायण अग्रवाल हिन्दी साहित्य भारती अध्यक्ष अशोक सागर मिश्र, सहमत महामंत्री अमरसिंह ठाकुर, कार्यक्रम संयोजक सुभाष गुप्ता, एस एल दशरिये प्राचार्य विश्व हिन्दू परिषद जिला अध्यक्ष यज्ञेश चावड़ा, विहिप नगर अध्यक्ष सुशील ठाकुर समाजसेवी राकेश देवडिया, सुनील खोटेल, मोहन आचार्य, मीडिया सह प्रभारी चंद्र शेखर डोंगरे, सविता अग्निहोत्री, नीलू सवालानी दीपक छाजेड सहित अन्य साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बंधत्व निवारण नि:शुल्क जाँच शिविर सफलता पूर्वक संपन्न

साईकृपा चतुरमोहता हॉस्पिटल व इंदिरा आई. वी. एफ नागपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। साईकृपा चतुरमोहता हॉस्पिटल व इंदिरा आई.वी.एफ नागपुर के संयुक्त तत्वाधान में बंधत्व निवारण नि:शुल्क जाँच शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया ।इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया ।जहां अनुभवी चिकित्सको की टीम द्वारा निःशुल्क परामर्श, जांच व आवश्यक उपचार प्रदान किया गया इस शिविर में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और नि:शुल्क परामर्श व चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया ।अनुभवी चिकित्सक डॉ अंशुल भिवापुरकर (इंदिरा आई.वी.एफ सेंटर प्रमुख नागपुर)डॉ रोशन भिवापुरकर (लैपरोस्कॉपिक सर्जन नागपुर) डॉ निकिता गजभिये (इंदिरा आई.वी.एफ नागपुर) डॉ सी. एस. चतुरमोहता (वरिष्ठ ह्रदय रोग विशेषज्ञ) डॉ दर्शना चतुरमोहता (स्त्री रोग व बंधत्व निवारण विशेषज्ञ) सैय्यद अजहर (मार्केटिंग हेड इंदिरा इवफ) अंकित धीमाले (इंदिरा आई.वी.एफ) एवं अन्य समर्पित स्टाफ की टीम ने पूरे उत्साह एवं सेवा भावना के साथ सभी मरीजों की जांच की और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

हाईकोर्ट के निर्देश पर अमोली सरपंच पद का उपचुनाव हुआ स्थगित

आज होना था सरपंच पद के लिए मतदान, तैयारी हो चुकी थी पुरी, म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग ने देरशाम जारी किये उपचुनाव स्थगित के आदेश, मतदान दल हुआ वापस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में 22 जुलाई को सरपंच पद के लिए उपचुनाव होना था। जिसकी तैयारी निर्वाचन आयोग के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा पूरी कर ली गई थी एवं मतदान दल भी मतदान केन्द्र पहुंच गये थे। वहीं 21 जुलाई को शाम 4 बजे सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन अन्य सरपंचों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार एवं जनपद पंचायत में खण्ड पंचायत अधिकारी को जबलपुर हाई कोर्ट के द्वारा आगामी तिथि तक चुनाव स्थगित किये जाने के संबंध में जारी हुए नोटिफिकेशन की एक प्रति सौंपकर 22 जुलाई को होने वाले चुनाव को रोकने की मांग की। जिसके बाद निर्वाचन अधिकारियों के द्वारा मध्यप्रदेश रा'य निर्वाचन आयोग को इसकी सूचना दी गई। लेकिन निर्वाचन आयोग भोपाल से उपचुनाव स्थगित होने के आदेश जारी नही होने के कारण सभी सस्पेंस में थे कि चुनाव होगें या नही। साथ ही स्थानीय निर्वाचन प्रशासन के द्वारा चुनाव की तैयारी जारी रखी गई थी। वहीं अमोली पंचायत क्षेत्र में सरपंच पद के उपचुनाव को लेकर मतदाताओं के साथ ही प्रत्यशी भी असमंजस्य में बने हुए थे कि 22 जुलाई को मतदान होगा या नही। किन्तु देरशाम म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा अमोली पंचायत में होने वाले उपचुनाव को स्थगित करने का पत्र जारी किया गया। जिसके बाद अमोली पंचायत में 22 जुलाई को सरपंच पद के लिए चुनाव होगें या नही को लेकर जो सस्पेंस बना हुआ था जिस पर विराम लग चुका है। इस तरह से अब अमोली में 22 जुलाई को होने वाला उपचुनाव कुछ समय के लिए स्थगित हो गया है। वहीं पूर्व सरपंच किशोर पडवार के द्वारा हाई कोर्ट में अविश्वास प्रस्ताव के विरूध्द दायर की गई याचिका की सुनवाई होने के बाद उपचुनाव के लिए नई अधिसूचना या चुनाव के संबंध में

नई गाइडलाईन जारी की जायेगी। साथ ही उपचुनाव स्थगित होने के बाद अमोली पंचायत में स्थानापन्न सरपंच श्रीमती सुकवन समनपुरे आगामी समय तक यथावत सरपंच के पद पर बनी रहेगी। वहीं उपचुनाव स्थगित होने के बाद मतदान दल भी वापस हो गया है।

चुनाव स्थगित होने से प्रत्याशी मायूस

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत अमोली में विगत माह पूर्व सरपंच किशोर पडवार के विरोध में अविश्वास प्रस्ताव पारित कर सरपंच पद से हटाने की कार्यवाही की गई थी। जिसके बाद से इस पंचायत में सरपंच का पद रिक्त था और 6 माह की अवधि के लिए स्थानापन्न सरपंच श्रीमती सुकवन समनपुरे को निर्वाचित किया गया था। जिसके बाद निर्वाचन आयोग के द्वारा 1 जुलाई को ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद के लिए उपचुनाव हेतु अधिसूचना जारी किया था एवं 8 जुलाई तक अनुसूचित जनजाति वर्ग से दो प्रत्याशियों के द्वारा अपने नामांकन फार्म जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा में जमा किये गये थे और 22 जुलाई को चुनाव संपन्न होना था। वहीं नामांकन की प्रक्रिया पुर्ण होने के बाद दोनों प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित हो चुके थे। जिसमें रविशंकर हट्टेवार को कांच की गिलास और कमलेश हिवारे को चश्मा चुनाव चिन्ह आवंटित हुआ था। जिनके द्वारा प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा था एवं 22 जुलाई को चुनाव होना था। वहीं पूर्व सरपंच किशोर पडवार के द्वारा म.प्र. हाई कोर्ट में याचिका के निराकरण में विलंब होने के कारण याचिका के निराकरण तक यथास्थिति की मांग की गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए म.प्र. हाई कोर्ट के द्वारा 18 जुलाई को आगामी तिथि तक के लिए उपचुनाव को स्थगित करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किये गये थे। जिसकी प्रति 21 जुलाई को जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी लालबर्रा को सौंपकर आदेश का पालन कर चुनाव स्थगित करने की मांग की गई थी। इस तरह से अमोली में सरपंच पद के लिए होने वाला उपचुनाव आगामी तिथि तक के लिए स्थगित हो चुका है। जिसके संबंध में म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा सोमवार को देरशाम को जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र जारी कर चुनाव स्थगित करने के निर्देश दिये गये है। चुनाव स्थगित होने से प्रत्याशी मायूस नजर आये। वहीं मतदाताओं को भी लग रहा था कि 22 जुलाई को सरपंच पद के लिए उपचुनाव हो जाने के बाद नया सरपंच मिलेगा, लेकिन चुनाव स्थगित हो जाने से उनका यह सपना भी अधुरा रह गया।

आगामी सुनवाई तक निर्वाचन स्थगित - चेतन

सरपंच संघ लालबर्रा अध्यक्ष चेतन पटले ने बताया कि अमोली सरपंच किशोर पडवार को पंचों के द्वारा अवैधानिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पद से हटा दिया गया था। जिसके बाद सरपंच संघ के द्वारा म.प्र. हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसमें

सुनवाई के बाद म.प्र. हाई कोर्ट के द्वारा आगामी सुनवाई तक के लिए चुनाव को स्थगित कर दिया गया है। जिसके संबंध में हमारे द्वारा तहसीलदार, सीईओं एवं निर्वाचन अधिकारी को नोटिफिकेशन की प्रति सौंपकर चुनाव स्थगित करने की मांग की गई थी और मांगे पूरी भी हुई है।

याचिका की सुनवाई तक नहीं होगी कोई भी कार्यवाही - वैभव

सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से अमोली सरपंच को पद से हटा दिया गया था। जिसके बाद सरपंच किशोर पडवार जी के द्वारा अपनी बात जिला सरपंच संघ में रखी गई थी, जिसको संज्ञान में लेते हुए सरपंच संघ के द्वारा उन्हें साथ में लेकर म.प्र. हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसकी सुनवाई में देरी हो रही थी और निर्वाचन की

तैयारी प्रशासन पूर्ण कर ली गई थी, ऐसी स्थिति में हमारे द्वारा मान. उ'च न्यायालय से सुनवाई के पहले निर्वाचन को रोके जाने की मांग की गई थी क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव पर निर्णय आने पर समय लगेगा इसलिए पहले चुनाव को रोका जाना आवश्यक है। यदि चुनाव हो जाता है तो वह न्याय संगत नहीं होगा जिसके बाद म.प्र. हाई कोर्ट ने किशोर पडवार के निवेदन को स्वीकार करते हुए आगामी सुनवाई तक के लिए निर्वाचन (चुनाव) को स्थगित कर दिया है। श्री बिसेन ने बताया कि 19 एवं 20 जुलाई को छुट्टी होने और हाई कोर्ट की साइड में ऑर्डर अपलोड नहीं होने के कारण चुनाव रोके जाने की हार्ड कॉपी नहीं पहुंच पाई थी, 21 जुलाई को आदेश प्राप्त हुआ है। जिसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर एवं सीईओं को चुनाव रोके जाने के संबंध में जारी हुए नोटिफिकेशन की प्रति सौंपी गई। साथ ही यह भी बताया कि हाई कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक इस याचिका पर पूरी तरह से सुनवाई नहीं हो जाती है, तब तक के लिए किसी भी तरह की कोई भी कार्यवाही नहीं की जायेगी और देरशाम में म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा उपचुनाव को स्थगित कर दिया है।

चुनाव आगामी समय तक के लिए स्थगित कर दिया गया है - खिलेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि 22 जुलाई को अमोली में होने वाले सरपंच पद के उपचुनाव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी थी और 21 जुलाई को सरपंच संघ जिलाध्यक्ष अपने सरपंच साथियों के साथ म.प्र. हाई कोर्ट से निर्वाचन को रोकने के संबंध में जारी हुए नोटिफिकेशन की कापी लेकर पहुंचे थे। जिसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी व चुनाव आयोग को उसकी जानकारी दी गई और देरशाम म.प्र. राज्य निर्वाचन

आयोग के द्वारा अमोली में होने वाले उपचुनाव को आगामी तिथि तक के लिए स्थगित करने के संबंध आदेश जारी किये गये है। जिसके परिपालन में आगामी तिथि तक के लिए चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

कांवड़ियों ने वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भोलेनाथ का किया अभिषेक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सावन माह में नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में भगवान भोलेनाथ के श्रध्दालुजनों के द्वारा कांवड़ यात्रा निकालकर वैनगंगा नदी के पावन तट स्थित पोटियापाट घाट पहुंचकर कावड़ियों के द्वारा जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। इसी कड़ी में सावन माह के दुसरे सोमवार को नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर से माँ सतबहनी मंदिर एवं कांवड यात्रा समिति के तत्वाधान में 21 जुलाई को विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस कांवड़ यात्रा में बच्चे, युवती, महिलाएं, युवा वैनगंगा नदी पहुंचे जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक व पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। सावन माह के दुसरे सोमवार को सुबह से ही बदलीनुमा मौसम बना रहा एवं कुछ देर रिमझिम बारिश भी हुई है। जिससे लोगों को लग रहा था कि क्षेत्र में झमाझम बारिश होगी लेकिन दिनभर मौसम साफ रहा। चर्चा में माँ सतबहनी मंदिर

समिति एवं कांवड यात्रा समिति मानपुर के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन माह के पावन अवसर पर 21 जुलाई को डीजे की धुन पर कांवड़ यात्रा निकाली गई और हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए कांवड़िये वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचे। जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन करने के बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया और भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख, शांति व समृध्दि बनाये रखे। इस अवसर पर माँ सतबहनी मंदिर एवं कांवड यात्रा समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लालबर्रा महाविद्यालय में यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 में प्रवेश प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 में 16 जुलाई से प्रवेश प्रारंभ हो चुका है जो आगामी 31 जुलाई तक जारी रहेगा। चर्चा में कालेज प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 में प्रवेश प्रक्रिया की समय सारणी अनुसार विद्यार्थी 22, 24, 26, 28, 30 जुलाई को अपना प्रवेश फार्म (पंजीकरण) समय दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक कर सकते है एवं पंजीकृत विद्यार्थियों का हेल्प सेन्टर द्वारा सत्यापन उपर्युक्त तिथि में ही 4 बजे तक किया जायेगा और उक्त तिथि को ही समय 5 बजे तक चयनित विद्यार्थियों को आवंटन (आफर) जारी हो जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि चयनित (आवंटित) विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि प्रवेश फार्म (पंजीकरण) से अगले दिन 23, 25, 27, 29, 31 जुलाई को समय 5 बजे तक रहेगी। जिसके उपरांत च्वाइस हटाने की तिथि और समय अगले दिन दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा। छात्र-छात्राएं यूजी सी.एल.सी. राउन्ड-2 की प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से अपना प्रवेश महाविद्यालय में आसानी से करवा सकते है।

विद्यार्थी दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई लालबर्रा के द्वारा शासकीय स्नातक महाविद्यालय लालबर्रा में लालबर्रा में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी के स्थापना दिवस के अवसर पर गत दिवस संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनभागदारी सदस्य प्रकाश रहांगडाले के प्रमुख आतिथ्य, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक अदित्य अग्रवाल के विशेष आतिथ्य सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं को अपने विद्यार्थी जीवन में रहते हुए धैर्यता और सामंजस्ता का परिचय देना चाहिए। जनभागदारी सदस्य प्रकाश रहांगडाले ने कहा कि अभाविप की इस नई कार्यकारणी के सभी 25 सदस्यों को एक जुट होकर राष्ट्रहित, देशहित एवं छात्रहित के लिए कार्य करें। चर्चा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक अदित्य अग्रवाल ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जब 2002 में दिल्ली रैली का आव्हान किया तो 75000 छात्र-छात्राएं पूरे देश भर से दिल्ली आये और रैली में सम्मिलित हुए। वहीं रैली के पश्चात रेलवे प्रशासन का एक बयान

आया जिसमें कहा गया कि 75000 छात्र-छात्राएं दिल्ली आये और चले भी गये, हमें पता ही नहीं लगा। यह विद्यार्थी परिषद का अनुशासन है, अन्यथा इतनी बड़ी संख्या में जब किसी अन्य छात्र संगठन के माध्यम से छात्र-छात्राए जाते हैं, तो कई प्रकार की अराजकता यात्रियों या अन्य नागरिकों के साथ हो सकती थी। यह विद्यार्थी परिषद के अनुशासित आंदोलन का एक अनुपम उदाहरण है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व नगर मंत्री, प्रांत खेलो भारत सहसंयोजक गौरव उईके ने बताया कि लंबे समय तक अपने ध्येय पथ पर बने रहना और देश हित में कार्य करते रहने का अनुपम उदाहरण एबीवीपी ने प्रस्तुत किया है। एक छात्र संगठन की कल्पना जब लोगों के मन में आती है, तो एक छात्र संगठन से अपेक्षा केवल विद्यालय महाविद्यालय परिसर व अन्य शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर होती हैं। एबीवीपी ने एक छात्र संगठन होते हुए भी शिक्षा क्षेत्र के साथ समाज और देश हित में कई विषयों पर कार्य किया है। वहीं संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न होने के बाद नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें सत्र 2025-26 के नगर मंत्री अनिकेत(कपिल) टेम्भरे को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल, कुबेर सिंह बैश, कलश असाटी, अमन दशरिया उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त एएनएम गीता हरिद्वाज को दी गई विदाई

खमरिया में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत खमरिया में वीणा-पाणी महिला मंडल के द्वारा रविवार को विदाई समारोह एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े, सरपंच 'योति टेंभरे, सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज सहित अन्य महिलाओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज का तिलकवंदन, शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उन्हे भावभानी विदाई दी। इस विदाई समारोह के अवसर पर महिला मंडल की महिलाओं ने फिल्मी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किये और सावन के झूले के साथ लोकगीतों की मिठास घोली। साथ ही मेहंदी प्रतियोगिता, शब्द गिनती और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस तरह से यह आयोजन एक विदाई नहीं, बल्कि एक युग के संकल्पों को स्मरण करने का उत्सव बन गया। वहीं उपस्थित वाणी-पाणी महिला मंडल के द्वारा सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती हरिद्वाज को 'रामायण' ग्रंथ भेंट किया है। जब ग्राम की

प्रतिष्ठित एवं सेवाभावी एएनएम (सिस्टर) श्रीमती गीता हरिद्वाज को उनके 37 वर्षों के उत्कृष्ट सेवाकाल की पूर्णता पर वीणा-पाणी महिला मंडल द्वारा आत्मीय विदाई दी गई और यह समारोह केवल एक सेवा निवृत्तकर्मी को विदा करने का अवसर नहीं था, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की स्मृतियों को सम्मानपूर्वक संजोने का क्षण था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े ने कहा कि गीता दीदी केवल एक स्वास्थ्यकर्मी नहीं थी, वे हमारी मार्गदर्शिका थी, हमारी मंडली की आधारशिला थी, जिन्होने 1988 से 2025 तक एक ही स्थान पर यानि खमरिया उपस्वास्थ्य केन्द्र में सेवाएं देकर यह सिध्द किया कि स'ची सेवा क्या होती है। उनके व्यवहार में कभी कठोरता नहीं रही - बस ममता, अपनापन और समर्पण भाव रहा है और क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की है, जिनके उ'जवल भविष्य की कामना करते है। सरपंच श्रीमती 'योति टेंभरे ने कहा कि सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती हरिद्वाज जी की मिलनसार, कर्तव्यनिष्ठ और स्नेहमयी व्यक्तित्व की कमी सदैव खलेगी और उन्होंने हर पीढ़ी को, हर महिला को सीख दी है कि कैसे काम को पूजा की तरह निभाया जाता है। उनका आशीर्वाद हमें भविष्य में भी मिलता रहेगा। सेवानिवृत्त एएनएम श्रीमती गीता हरिद्वाज ने कहा कि मेरी नौकरी की शुरूआत 1987 में सिवनी के शिकारा से हुई थी। जिसके बाद 1988 से 2025 तक मैंने खमरिया को ही अपना घर माना और उपस्वास्थ्य केन्द्र खमरिया में अपनी सेवाएं दी हूं। यहां के लोगों ने जो प्रेम और सम्मान मुझे दिया, वह शब्दों में नहीं समेटा जा सकता। साथ ही यह भी कहा कि 37 वर्षों में कभी किसी से शिकायत नहीं रही, न ही किसी ने मेरी सेवाओं पर प्रश्न उठाया - यही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। इस अवसर पर शीला डहरवाल, मोनिका डहरवाल, गंगा डहरवाल, प्रीति डहरवाल, संगीता डहरवाल, आरती करकाड़े, शीतल पटले, पायल रोकड़े, रेनू शर्मा, रीना बिसेन, निशा पटले, चित्ररेखा डहरवाल, सीमा चाकोले, मीना बिसेन सहित महिला मंडल की सभी सदस्याएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सर्राटी जलाशय की पार पर उगी झाड़ियां, सिंचाई विभाग किसी बड़े हादसे का कर रहा इंतजार - मनोहर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के सबसे बड़े सर्राटी जलाशय के तटबंध (पार) पर घनी झाड़ियां और पेड़ उग आये हैं जिससे जलाशय की पार को गंभीर खतरा बन सकता है। जिसको लेकर कांग्रेस नेता मनोहर अग्रवाल ने विगत दिवस जिला कलेक्टर श्री मीणा से मुलाकात कर सिंचाई विभाग की घोर लापरवाही की शिकायत कर सर्राटी जलाशय के पारों में उगी झाड़ियों की जल्द साफ-सफाई करवाने की मांग की है। चर्चा में वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल ने बताया कि सर्राटी जलाशय का जीर्णोद्वार कुछ वर्ष पूर्व ही हुआ था जिसमें करोड़ों रूपये खर्च कर यह दावा किया गया था कि अब इस जलाशय की उम्र 100 साल बढ़ गई है, किंतु जलाशय के प्रभारी सबइंजीनियर, एसडीओ और कार्यपालक यंत्री की लापरवाही के कारण जलाशय के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण उसकी पार पर बड़ी-बड़ी झाड़ियां और पेड़ उग आये हैं। जिसकी जड़े पार के अंदर जायेगी और उसमें दीमक आदि लगकर पार को खोखला कर देगी। जिससे पार में कभी भी होल हो सकता है और जिसके कारण कभी भी बड़ी जनधन की हानि हो सकती है। श्री अग्रवाल ने सर्राटी जलाशय के पार में उगे पेड़ों की साफ-सफाई करवाने एवं सिंचाई विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी एवं अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग कलेक्टर से की है।

धानीटोला निवासी सरिता कावरे के सूने मकान में अज्ञात चोरों ने की चोरी की वारदात

सोने चांदी के जेवरात ले भागे चोर, पुलिस ने किया अपराध दर्ज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबूदा के ग्राम धानीटोला निवासी श्रीमती सरिता कावरे के सुने मकान में २१ जुलाई को दिनदहाड़े अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की वारदात कर दी गई। जिसमें चोरों के द्वारा घर सहित अलमारी का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए। मामले में सरिता कावरे के द्वारा पुलिस थाने में घटना की शिकायत की गई। जिसमें पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा ३३१(३),३०५(ए) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बच्चे स्कूल चले गये थे और सरिता कावरे खेत में परहा लगाने गयी थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती सरिता पति रंजीत कावरे ग्राम धानीटोला स्थित अपने मकान में अपनी तीन बेटियों के साथ निवास करती है। जिनके पति रंजीत कावरे नागपुर कमाने के लिए गए हुए हैं घर में चारों मां बेटी रहती है। २१ जुलाई की सुबह करीब १०.३० बजे श्रीमती सरिता कावरे ग्राम के सुखचंद पंचेश्वर के खेत में परहा लगाने के लिए गई हुई थी। तो वहीं करीब ११ बजे उनकी बड़ी बेटी अंशुका कावरे एसएसपी महाविद्यालय आने वारासिवनी के लिए घर में ताला लगाकर निकल गई थी और छोटी दो बेटियां स्कूल चले गई थी। इस दौरान पूरा मकान खाली था जहां पर अज्ञात चोरों के द्वारा ११ से ३ बजे के बीच में इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। दोपहर ३.३० बजे करीब अंशुका कावरे कॉलेज से वापस अपने घर लौटी तो देखा कि घर के सामने का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर अलमारी के ताले टूटने के साथ पूरा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। जिसकी जानकारी बेटी ने अपनी मां श्रीमती सरिता कावरे सहित आसपास के पड़ोसियों को दी। यह घटना की जानकारी लगते ही आस पड़ोस में सनसनी फैल गई तो वहीं लोगों की भीड़ लगने

लगी। तभी सरिता कावरे के द्वारा घर में आकर देखा कि अज्ञात चोरों के द्वारा उनके मकान में चोरी कर ली गई है जिसकी शिकायत उनके द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी में की गई। जिस पर पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। इस चोरी की घटना से परिवार शोक में डूबा हुआ है क्योंकि मजदूर परिवार है बमुश्किल मेहनत मजदूरी कर परिवार के द्वारा जीवन व्यापन किया जाता है। ऐसे में अज्ञात चोरों के द्वारा करीब ५०००० रूपये करीब के सोने चांदी के जेवराज चोरी कर लिए गए हैं।

सुनेपन का फायदा उठाकर चोरो ने की चोरी की वारदात-सरिता कावरे

पीड़िता सरिता कावरे ने बताया कि हमारे घर में ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने जेवराज चोरी कर लिए हैं। मैं खेत में परहा लगाने गई थी बच्चे स्कूल गए थे पति बाहर रहते हैं मेंन रोड़ पर हमारा घर है । जहां सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की गई है। इसकी जानकारी हमें उस समय लगी जब बेटी कॉलेज से वापस घर आई और यह घटना की जानकारी हमें बताई। सामने दरवाजे का ताला भी नहीं था इस चोरी में चोरों के द्वारा सोने के कान के टॉप्स और चांदी में कमर का करधन दो जोड़ी पायल हाथ के कंगन चोरी किए गए हैं। हमारे यहां पहली बार चोरी हुई है घटना की शिकायत थाने में कर दी गई है । पर अभी तक कोई पुलिस वाला हमारे यहां आया नहीं है। हम यही चाहते हैं कि मामले में कठोर कार्यवाही हो और हमें हमारे जेवरात वापस किया जाए।

पुलिस के द्वारा आज तक कोई भी चोरी के चोर पकड़े नहीं है-पीतांबर नागेश्वर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि मैं गांव की मोटर चोरी के संबंध में आया था फिर पता लगा कि गांव में एक और चोरी हो गई है। जिसमें घर का ताला तोड़कर जेवर चोरी किए गए हैं लगातार ऐसी वारदातें बढ़ती जा रही है अपराधियों के हौसले बुलंद है। इस प्रकार की चोरी होना ठीक नहीं है इसके पहले भी गांव में बहुत सारी मोटर और मोटरसाइकिल के चक्का तक चोरी किए गए हैं इन चोरियों पर लगाम लगनी चाहिए। किंतु आज तक कोई भी चोरी में चोर पकड़े नहीं है हम चाहते हैं कि कठोर कार्यवाही हो जांच दल का गठन किया जाए कि कैसे इस प्रकार लोग घरों में घुसकर चोरी कर रहे हैं।

खेत के कुएँ से हुई पानी की मोटर चोरी

किसान ने चोरी के मामले में थाने में की शिकायत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबुदा के धानीटोला निवासी किसान पवन नागेश्वर के खेत से अज्ञात चोरों के द्वारा २१ जुलाई की दरमयानी रात पानी की मोटर चोरी कर ली गई। मामले में किसान ने थाने में शिकायत कर अज्ञात चोरों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेती किसानी का मौसम चल रहा है हर कोई अपने.अपने खेतों में परहा कार्य में जुटे हुए हैं। जहां पर पानी की समस्या को दूर करने के लिए कई किसानों के द्वारा पानी के पंप लगाकर खेतों में पानी की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे ही किसान पवन पिता लालचंद नागेश्वर उम्र ५५ वर्ष धानिटोला निवासी के खेत के कुएँ में पानी की मोटर लगी हुई हैं। जिससे वह खेत में परहा कार्य प्रारंभ करने खेत में कीचड़ के लिए आवश्यक पानी की व्यवस्था करने के लिए खेत के कुएं में लगे मोटर पंप से पानी की व्यवस्था कर रहे थे। परंतु बारिश का पानी आने पर मोटर को कुएं में ही लगी हुई थी खेत में परहा कार्य चालू कर दिया गया था। किसान पवन नागेश्वर के द्वारा खेत के कुएँ में पानी की मोटर रविवार की शाम को देखा गया था। इसके बाद वह सोमवार की सुबह खेत में चालू परहा कार्य देखने के लिए आया तो उन्होंने देखा कि खेत के कुएं में लगाई गई पानी की मोटर गायब है। जिसकी आसपास पतासाजी की परंतु कहीं कोई जानकारी नहीं मिलने पर किसान के द्वारा थाने में आकर कुएं से मोटर पंप चोरी होने की शिकायत की गई है।

जिसमें पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है यह घटना को लेकर ग्राम के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। क्योंकि इसके पहले भी विभिन्न किसानों के खेतों की मोटर चोरी हुई थी परंतु उनका वर्तमान तक कोई पता नहीं लग पाया है। यह मोटर खेती कार्य के दौरान चोरी हुई है जिसकी वर्तमान में आवश्यकता किसान को है। ऐसे में किसानों के द्वारा पुलिस प्रशासन से मामले में गंभीरता से जांच करने की मांग की जा रही है। ताकि उक्त अज्ञात चोरों को पकड़ा जा सके और दूसरे किसानों के मोटर पंप सुरक्षित रह सके।

षडयंत्र पूर्वक रजिस्ट्री करने के आरोपियों की संख्या हुई 6

न्यायालय ने चार आरोपियों को भेजा जेल, २ आरोपी फरार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खापा में बीते दिनों प्रकाश में आए षडयंत्र पूर्वक फर्जी रजिस्ट्री करने के मामले में रिमांड पर लिए मनोज मेश्राम एवं पूछताछ में बने आरोपी विकास गौतम को २१ जुलाई को न्यायालय में पेश किया गया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। मामले में पूर्व में चार आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज था इसमें आरोपियों के बयान के आधार पर दो आरोपियों की संख्या बड़ी है जिससे आरोपियों की संख्या ६ हो गई है।

यह था मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा में खसरा नंबर ५३६,५३७/१,५३८/२ के अंतर्गत कुल रकबा १.११० हेक्टर भूमि प्रार्थी देवकी बाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष भरवेली बालाघाट हाल मुकाम ११ सत्यानंद विहार कॉलोनी रामपुर जबलपुर निवासी की है। जिसे वर्ष २०२३ में देवकीबाई पति जीवन उइके उम्र ५८ वर्ष निवासी झालीवाड़ा के द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी और बेईमानी करते हुए। ममता उर्फ मुनिता पति मनोज मेश्राम उम्र ४० वर्ष ग्राम खापा निवासी के नाम ९ नवंबर २०२३ को उप पंजीयन कार्यालय वारासिवनी में विधिवत रूप से रजिस्ट्री कर जमीन बेच दी गई थी। जिसमें मनोज पिता राघोदास मेश्राम उम्र ५३ वर्ष खापा निवासी एवं स्वरूप पिता दशरथ टेंभरे झालीवाड़ा निवासी की पहचानकर्ता के रूप में गवाह बनकर बेच दी गई थी। जिसमें घटना की जानकारी देवकीबाई पिता कुंजीलाल कुमरे को जानकारी लगने पर उसके द्वारा तत्काल घटना की जानकारी लेकर शिकायत पुलिस थाना वारासिवनी में की गई थी। शिकायत जांच पर संपत्ति की धोखाधड़ी षड्यंत्र बेईमानी किए जाने की पुष्टि होने पर १७ जुलाई को मामले में अपराध कायम किया गया। पुलिस ने प्रार्थी देवकीबाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष की रिपोर्ट पर देवकी बाई पति जीवन उइके निवासी झालीवाड़ा ,ममता उर्फ मुनिता पति मनोज मेश्राम निवासी खापा ,मनोज पिता राघोदास मेश्राम निवासी खापा ,स्वरूप पिता दशरथ टेंभरे निवासी झालीवाड़ा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ४१९,४२०,१२० बी ४६७,४६८,४७१ के तहत अपराध कायम कर जांच में लिया था।

यह बने नये आरोपी

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्जी रजिस्ट्री के मामले में क्रेता विक्रेता एवं दो गवाहदार इस प्रकार चार व्यक्तियों पर अपराध दर्ज किया गया था। जिसमें से देवकी बाई पति जीवन उइके निवासी झालीवाड़ा, ममता उर्फ मुनिता पति मनोज मेश्राम निवासी खापा ,मनोज पिता राघोदास मेश्राम निवासी खापा को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ की गई जिसमें विकास पिता महतलाल गौतम एवं विवेक पिता दिलीप पटले लोहारा निवासी हाल मुकाम वार्ड नं. १ मिश्रा नगर को नया आरोपी बनाया गया। इसमें दो महिलाओं को पूर्व में न्यायालय ने जेल भेज दिया था। २१ जुलाई को रिमांड पर लिये मनोज मेश्राम एवं नये आरोपी विकास गौतम को न्यायालय के समक्ष पेश किया जिन्हें न्यायालय ने जेल भेज दिया। वहीं मामले में नया आरोपी विवेक पटले निवासी मिश्रा नगर वारासिवनी एवं स्वरूप टेंभरे निवासी झालीवाड़ा फ रार है जिनकी पुलिस के द्वारा पतासाजी की जा रही है।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया कि ग्राम खापा की फर्जी रजिस्ट्री के मामले में जांच की जा रही है पूर्व में चार आरोपी थे। वहीं जांच के दौरान और दो नये आरोपी बने है जिसमें कुल ६ आरोपी में से ४ आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। वहीं दो आरोपी विवेक पटले और स्वरूप टेंभरे फरार चल रहे है जिनकी पतासाजी की जा रही है । मामले में जांच जारी है संबधित व्यक्ति से पुछताछ की जा रही है।

पवन यादव
उपनिरिक्षक थाना वारासिवनी

भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक कामकाजी बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाजपा कार्यालय में सोमवार को विधानसभा कोर कमेटी की संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे,विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, अनिल धुवारे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता दादरे,जं.प. अध्यक्ष श्रीमती माया उइके,पूर्व जं.प. अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन ने संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक में प्रकोष्ठ की सक्रिय एवं संगठनात्मक विषय पर चर्चा की। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के मूलमंत्र की विस्तार से जानकारी देकर प्रवास,सम्पर्क व संवाद पर विशेष रूप से कार्य करने की प्रेरणा दी। बैठक में बूथ कमेटी, शक्ति केन्द्र सहित मन की बात जैसे कार्यक्रमों को किस तरह करना है जैसी छोटी छोटी बाते बताकर आने वाले चुनाव के संदर्भ में रूपरेखा भी संगठन के साथ तैयार की गयी। इस दौरान किरण शर्मा जिला मंत्री,संदीप मिश्रा नगर मंडल अध्यक्ष, मिलिंद नगपुरे रामपायली मंडल अध्यक्ष, भीवराम मात्रे आरंभा मंडल अध्यक्ष, नरेन्द्र शुक्ला खैरलांजी अध्यक्ष,श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार, श्रीमती गीता हनवत जिला पंचायत सदस्य,सुनील पिपरेवार महामंत्री, भीम वासनिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इसी तरह वारासिवनी विधानसभा में संगठन पर्व अभियान अंतर्गत नगर पालिका परिषद वारासिवनी की संगठनात्मक कामकाजी एक और बैठक संपन्न हुई। जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ पृथक पृथक रूप से वार्डवार विकास कार्यो की समीक्षा भी करते हुये कहा की कार्य करने व नजरिये के साथ कार्य करने में अंतर होता है। इसी के साथ एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षा रोपण भी किया गया।

नाग सांप का वन विभाग ने किया रेस्क्यू

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के कटंगी मार्ग स्थित कालोनी से वन विभाग के द्वारा २० जुलाई की रात्रि में नाग प्रजाति के एक सर्प का रेस्क्यू किया गया जिसे सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बारिश का मौसम चल रहा है ऐसे में लगातार सांप बिच्छू कीड़े मकोड़े सभी इधर उधर भ्रमण कर रहे हैं। ऐसे ही कटंगी रोड़ स्थित एक कॉलोनी में रविवार की शाम नाग प्रजाति का एक सर्प देखा गया। जिसकी सूचना नपाध्यक्ष पति मनोज दांदरे के द्वारा वन विभाग वारासिवनी को दी गई। जिस पर वन अमले के द्वारा मौके पर जाकर विषैले नाग प्रजाति के करीब १० फिट लंबे सर्प को सुरक्षित रेस्क्यू कर वन विभाग में लाया गया। जिसे २१ जुलाई की सुबह उसके प्राकृतिक आवास जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इस रेस्क्यू में डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे ,वनरक्षक शैलेश जगजीवन ,भवानी बिसेन ,हितेश चचाने का सराहनीय कार्य रहा।

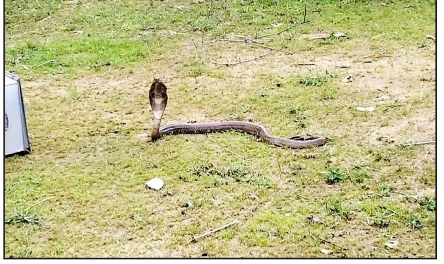

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में बैगलेस डे अंतर्गत गतिविधियां आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार शाला में बैगलेस डे के तहत गतिविधियां आयोजित की गई । जिसमें स्कूली छात्र छात्राओं ने आर्ट एवं क्राफ्ट अंतर्गत ड्राइंग पेंटिंग मिट्टी के खिलौने बनाना, गमला पेंटिंग डॉल निर्माण गुलदस्ता निर्माण आदि कार्य किए। यह कार्यक्रम शाला प्रमुख सविता रिनायत एवं शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन,रूपसिंह उइके के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चो ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने जानकारी देते हुये बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार माह के किसी भी एक शनिवार को माध्यमिक शाला में बैगलेस डे अंतर्गत गतिविधियां आयोजित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी के तहत पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी जुलाई माह में १९ जुलाई २०२५ शनिवार को बैगलेस डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन बच्चो को बिना बस्ते के विद्यालय बुलाया जाता है तथा गतिविधि का क्षेत्र पहले से बता दिया जाता है। बच्चे उस गतिविधि से सम्बन्धित तैयारी से विद्यालय आते हैं तथा विद्यालय स्तर से भी सामग्री प्रदान की जाती हैं विद्यार्थी अपनी पसंद के क्षेत्र पर कार्य करते हैं। श्री बिसेन ने बताया कि इस शनिवार को आर्ट एवं क्राफ्ट गतिविधि क्षेत्र अंतर्गत ड्राइंग पेंटिंग मिट्टी के खिलौने बनाना गमला पेंटिंग डॉल निर्माण गुलदस्ता निर्माण पेपर क्राफ्ट आदि गतिविधियां संपन्न कराई गई। आगामी अगस्त माह में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधि क्षेत्र अंतर्गत कार्य किया जाएगा।

भारत में डिजिटल निजता की चिंता और डेटा संरक्षण कानून की अनिवार्यता

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां तकनीकी प्रगति अपने चरम पर है। डिजिटल भारत का सपना अब केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि आम नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, डिजिटल पेमेंट्स और सोशल मीडिया का विस्तार इतना व्यापक हो चुका है कि देश की एक बड़ी आबादी अब हर क्षण डिजिटल रूप से जुड़ी रहती है। लेकिन इस डिजिटल विकास की चमक के पीछे एक गंभीर खतरा भी छिपा है — नागरिकों की निजता और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा। हर बार जब कोई उपयोगकर्ता किसी वेबसाइट पर लॉगिन करता है, किसी ऐप को डाउनलोड करता है या सोशल मीडिया पर कोई जानकारी साझा करता है, तब वह जाने-अनजाने में अपना निजी डेटा विभिन्न कंपनियों और संस्थाओं को सौंप रहा होता है। यह डेटा न केवल उनकी पहचान, स्थान और आदतों से जुड़ा होता है, बल्कि कई बार उनकी संवेदनशील जानकारी जैसे बैंक डिटेल्स, हेल्थ रिकॉर्ड्स और पर्सनल कॉन्वर्सेशन तक को शामिल करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या आम नागरिक को पता है कि उसका डेटा कहां जा रहा है, किसके पास जमा हो रहा है और उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है? भारतीय संदर्भ में निजता का अधिकार लंबे समय तक एक अस्पष्ट विचार रहा। लेकिन 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने इसे मौलिक अधिकार घोषित कर एक नई दिशा दी। अदालत ने कहा कि निजता, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। यह निर्णय उस समय आया जब आधार जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार बड़े पैमाने पर नागरिकों की जानकारी एकत्र कर रही थी। हालांकि, यह फैसला अपने-आप में एक बड़ी जीत था, पर यह स्पष्ट था कि केवल एक न्यायिक घोषणा से डिजिटल निजता की रक्षा नहीं हो सकती। भारत को एक स्पष्ट, सख्त और व्यावहारिक डेटा संरक्षण कानून की आवश्यकता थी जो कंपनियों और सरकारी एजेंसियों दोनों को जवाबदेह बना सके। खासकर ऐसे समय में जब तकनीकी कंपनियां उपयोगकर्ताओं की जानकारी को बिना उनकी सहमति के इस्तेमाल कर विज्ञापनों, सिफारिशों और विश्लेषणों के लिए बेच रही थीं। इसके अलावा साइबर अपराध, डेटा लीक और रैंसमवेयर अटैक जैसे खतरे भी निरंतर बढ़ते जा रहे थे। यूरोप जैसे देशों में जहां त्ष्ठक्क (जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन) जैसे कानून नागरिकों को उनके डेटा पर पूरा अधिकार देते हैं, भारत लंबे समय तक ऐसे किसी व्यापक कानून के अभाव में रहा। हालांकि 2000 में बना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम कुछ हद तक साइबर अपराधों को नियंत्रित करता है, लेकिन यह कानून डेटा संग्रह, उपयोग, संरक्षण और सहमति के बारीक पहलुओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता। नतीजतन, टेक कंपनियों और यहां तक कि सरकारी एजेंसियों द्वारा भी बार-बार नागरिकों की निजता का उल्लंघन होता रहा। इसी को देखते हुए 2017 में क्रह. श्रीकृष्णा समिति का गठन किया गया, जिसने 2018 में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में डेटा को नया तेल कहा गया और एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण प्राधिकरण की सिफारिश की गई। यह समिति नागरिकों को उनके डेटा पर नियंत्रण देने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचे की वकालत करती रही। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि 2023 में भारत सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट पारित किया। यह कानून न केवल भारत का पहला समर्पित डेटा संरक्षण कानून है, बल्कि यह देश में डिजिटल अधिकारों की नींव को सशक्त करता है। इस कानून की सबसे बड़ी विशेषता है — उपयोगकर्ता की स्पष्ट सहमति। अब कोई भी संस्था, कंपनी या एजेंसी आपकी व्यक्तिगत जानकारी तभी एकत्र कर सकती है जब आप उसकी स्पष्ट अनुमति दें और वह अनुमति पारदर्शी भाषा में मांगी जानी चाहिए। साथ ही, उपयोगकर्ता को यह अधिकार भी प्राप्त होगा कि वह कभी भी अपनी सहमति वापस ले सके।

स्कूलों को उड़ाने की धमकियां: सुरक्षा पर मंडराता खतरा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछ ही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं। इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई। मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उ?ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है। ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गईं, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यत: साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है। इन डराने एवं खौफ पैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है। धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है। इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने स्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है। इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है। शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वास्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें। स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह ब?ा मौका है कि वे अपनी योग्यता प्रमाणित करें। दोषियों तक जल्द पहुंचने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। धमकियां अगर साइबर माध्यम से आ रही हैं, तो क्या हम उनके स्रोतों तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते हैं? कोई दोराय नहीं कि अगर ऐसी धमकियों को रोका न गया, तो इससे विशेष रूप से खुफिया एजेंसियों की साख पर बट्टा लगेगा। अत: ऐसी धमकियों के प्रति अत्यधिक गंभीरता बरतने की जरूरत है। इस तरह की ईमेल धमकियों का सूत्रधार अक्सर विदेशी या वर्चुअल नेटवर्क होते हैं। भारत को अपनी साइबर सेल को और अधिक प्रशिक्षित, तकनीकी और संसाधन-सम्पन्न बनाना होगा ताकि ऐसी साजिशों की जड़ तक पहुँचा जा सके। ध्यान रखना होगा कि स्कूल केवल इमारतें नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के कारखाने हैं। वहां डर और आतंक का माहौल नहीं, बल्कि ज्ञान और विश्वास की नींव मजबूत होनी चाहिए।

-ललित गर्ग

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। क्योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत: इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में स्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अत: अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। इसके पूर्व में केंद्र सरकार ने भी देश के 12 शहरों को 卐हृदय卐 योजना के अंतर्गत भारत के विरासत शहरों के तौर पर विकसित करने की घोषणा की है। ये शहर हैं, अमृतसर, द्वारका, गया, कामाख्या, कांचीपुरम, केदारनाथ, मथुरा, पुरी, वाराणसी, वेल्लांकनी, अमरावती एवं अजमेर। हृदय योजना के अंतर्गत इन शहरों का सौंद्रयीकरण किया जा रहा है ताकि इन शहरों की पुरानी विरासत को पुनर्विकसित कर पुनर्जीवित किया जा सके। इस हेतु देश में 15 धार्मिक सर्किट भी विकसित किये जा रहे हैं। हृदय योजना को लागू करने के बाद से केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें से अधिकतर परियोजनाओं पर काम भी प्रारम्भ हो चुका है। इन सभी योजनाओं का चयन सम्बंधित राज्य सरकारों की राय के आधार पर किया गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपए का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। देश के नागरिक एवं अन्य देशों के पर्यटक भारत में पर्यटन के लिए घरों से बाहर निकलने लगे हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं आम भारतीयों की डिसपोजेबले आय में भी वृद्धि दर्ज हुई है। अत: भारतीय नागरिक, विदेशी स्थलों पर पर्यटन के लिए जाने के स्थान पर अब भारत में ही विभिन्न स्थलों पर पर्यटन करने लगे हैं। इस बीच देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। होटल उद्योग ने भारी मात्रा में होटलों का निर्माण कर पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कमरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। रेल एवं हवाई यात्रा को बहुत सुगम बनाया गया है तथा 4 लेन से लेकर 8 लेन की सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। इससे कुल मिलाकर अब भारतीय परिवार अपने घर से बाहर भी घर जैसा वातावरण एवं आराम महसूस करने लगे है। अत: अब भारतीय परिवार वर्ष में कम से कम एक बार तो पर्यटन के लिए अपने घर से बाहर निकलने लगे हैं। वर्ष 2023 में भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों में 124 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है और 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए हैं, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटन से विदेशी मुद्रा की आय 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.71 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गई है। गोवा, केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, पश्चिमी बंगाल एवं पंजाब में देशी पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अब तो उत्तर प्रदेश भी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। वर्ष 2022 में 31.7 करोड़ भारतीय पर्यटक उत्तर प्रदेश पहुंचे हैं। वर्ष 2023 में तमिलनाडु में 10 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे हैं। वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित किए गए महाकुम्भ मेले के अवसर पर लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी के पावन तट पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे हैं, जो अपने आप में विश्व रिकार्ड है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। देश में पर्यटन उद्योग में 87 प्रतिशत हिस्सा देशी पर्यटन का है जबकि शेष 13 प्रतिशत हिस्सा विदेशी पर्यटन का है। अत: भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों को विकसित करने हेतु प्रयास कर रही हैं। पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है। यथा, अतिथि सत्कार, परिवहन, यात्रा इंतजाम, होटल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकारों, होटेल, वेटर, कूली, परिवहन एवं टूर आपरेटर आदि को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। केंद्र सरकार के साथ साथ हम नागरिकों का भी कुछ कर्तव्य है कि देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम भी कुछ कार्य करें। जैसे प्रत्येक नागरिक, देश में ही, एक वर्ष में कम से कम दो देशी पर्यटन स्थलों का दौरा अवश्य करे। विदेशों से आ रहे पर्यटकों के आदर सत्कार में कोई कमी न रखें ताकि वे अपने देश में जाकर भारत के सत्कार का गुणगान करे। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह प्रण करे की प्रतिवर्ष कम से कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण हेतु प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दुगना किया जा सकता है।

प्रहलाद सबनानी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना को हराया और रावण के अहंकार को भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया भगवान श्री राम के भक्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार को देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास को महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे तब अकबर को समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया इतिहास में दर्ज है अकबर की क्रुरता सभी हिन्दू राजा को दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वही अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ अत: अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप को बहुत कोशिश की उनकी दासता को स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाब बताते हैं तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी को भारत के इतिहास में अमर रहेगा और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने को तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्ज़ा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहस्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे। वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज़्-ज़मानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अत: उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है। युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही कोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप को पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर को महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फिल्म कार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसको महान बनाने में फिल्म भी बना दि कोई अकबर दि ग्रेट बनाया कोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत को अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुगल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था इसलिए हिन्दू को भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया इससे भारत को केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत को राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा आखिर क्या सीखा भगवान राम से हथियार डाल दे याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब को पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान को कभी झुकने नहीं दिया भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना भारतीय सेना के बहादुरी को सलाम करना भारत में किसी चीज की कमी नहीं है हमें रोटी कपड़ा और मकान की जरुरत से ज्यादा भगवान राम ने दि है इसे किसी के आगे झुकने नहीं दो चाहे देश के लिए मर मिटो नहीं चाहिए टेस्ला कार और भौतिक सुखों का अम्बार टेस्ला कार मुंबई में अचानक नहीं आई होगी पहले से प्लांनिंग होगी अब इससे भ्रस्टाचार और बढ़ेगे कार को पाने के लिए आखिर कौन लेगा जिसके पास पैसा होगा और पैसा अमीरों के पास होगा जो गरीबों से ही बसूला जायेगा अत: भारत में अब भाषण नहीं भगवान राम के आदर्शो से सिखने की जरुरत है जो स्थूल शरीर भारत माता के स्वाभिमान के लिए मिट सकता है लेकिन मर नहीं सकता क्योंकि आत्मा अमर होती है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है जिसे भारत माता के वीर सपूत महाराज शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविन्द सिंह और संभाजी से प्रेरणा लें उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं देश के बारे में सोचा।अभी जो चर्चा का विषय बना है मुगल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर को इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में एक अच्छा मुगल शासक बताया गया बदलाव ठीक है लेकिन अमल करना चाहिए भारत माता को माँ समझ कर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है अमेरिका के राष्ट्रपति जिस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहें है वो बिलकुल गलत है युद्ध होता है तो दोनों तरफ से बमबारी खून खराबी होती है लेकिन जरुरी ऐ होता हैं हमने अपना लक्ष्य हासिल की या नहीं अब ऑपरेशन सिंदूर में 5फायटर जेट गिरे या क्या हुआ ऐ भारतीय सेना के गर्व की बात है जिसे सेना के सीडीएस प्रमुख ने खुद मीडिया के सामने बयान दिया सेना के उप प्रमुख ने तो यहाँ तक कह दिया की हम युद्ध पाकिस्तान के साथ साथ तीन फ्रंट पर लड़ रहें थे जिसमें चीन और तुर्की भी शामिल था अत: वो अब मजाक के पात्र बन गए है ऐ कहना चाहिए भारतीय सेना ने जान की बाजी लगाकर भारत की रक्षा की हमें सेना की बहादुरी को सलाम करना चाहिए।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली जोरदार रहने से सोमवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। उड़द-मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश बने रहे। तिलहनों में मजबूती बनी रही। किराना जिंसों में शक्कर में मामूली सुधार आया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली निकलने से बाजार जोरदार तेजी पर देखे गये। चना बढ़िया मालों में 6400 रू. प्रति क्विंटल बिक गया। मसूर में मजबूती कायम रही। खाद्य तेलों में कमावेश भाव बने रहे। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। उधर, किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख से भावों में सुधार देखा गया। भाव इस प्रकार रहे =-

किराना- शक्कर 4115-4130, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1310, धूलिया 1320, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1380-1400, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1225,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6350-6400, एवरेज 5800-6000, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 113200, चॉंदी (99) 113100, टंच 112600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98400,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे गिरावट के साथ ही 86.31 रुपये पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण आई है। शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 86.36 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में गिरावट जारी रही और वह नकारात्मक रुख के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.27 पर खुला। बाद में 86.36 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.16 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। दांपत्य जीवन में खुशियां रहेगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आप कहीं वेकेशन पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, लेकिन आप किसी को धन उधार देने से बचें, क्योंकि आपके उस धन के वापस आने की संभावना बहुत कम है। कारोबार में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपकी सुख-समृद्धि बढ़ेगी। आप किसी नए घर के लिए यदि कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, तो वह भी आपको मिल सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी निवेश को करने के लिए रहेगा। आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई काम अटका हुआ था, तो वह भी शुरू हो सकता है। आपको कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपका कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें।

मिथुन- आज आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। परिवार के सदस्यों के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आप अपनी पारिवारिक समस्याओं को भी आसानी से हल कर सकेंगे। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति भी आसानी से कर सकेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। वैवाहिक जीवन में खुशियां भरपूर रहेगी। आप लोगों से काम से काम मतलब रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। तकनीकी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। नौकरी में आपको किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर मिल सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में आपसी सामंजस्यता बनी रहेगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिनसे आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है। माताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आप परेशान रहेंगे। आपकी किसी बात को लेकर आप जीवनसाथी और आपके बीच कहासुनी होने की संभावना थी। आपका कोई काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। दान-धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी और आप जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आएंगे। आप अपने खर्चो को लेकर थोड़ा समझदारी से चलें, नहीं तो आने वाले समय में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आप अपनी इनकम बढ़ाने से काफी खुश होंगे। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद भी छिड़ सकता है, जिसमें आप बड़ी सदस्यों की राय के बिना कोई निर्णय सावधान रह कर लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने करियर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। आप किसी दूसरी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं, लेकिन आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा धैर्य व संयम बनाए रखना होगा। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आप इधर-उधर बैठकर खाली समय व्यतीत ना करें। काम को लेकर आप पिताजी से कोई सलाह ले सकते हैं। आपको बेवजह की भागदौड़ अधिक रहेगी, क्योंकि आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे। आपको अपने पारिवारिक मामलों को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे। आप अपने कीमती सामानों का पूरा ध्यान दें, क्योंकि उनके चोरी होने का भय बना हुआ है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप पार्टनरशिप में कोई काम करने की शुरुआत कर सकते हैं। प्रॉपर्टी को लेकर कोई बड़ी डील अटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपका परिवार के सदस्यों में समानता बनाकर चलेंगे और अपनी सुख-सुविधाओं की चीजों पर भी अच्छा खासा धन खर्चा करेंगे। आपके धन प्राप्ति के मार्ग खुलेंगे। भाइयों से आप काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपको किसी प्रकार का कोई जोखिम लेने से बचना होगा। माताजी की सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आपको थोड़ी टेंशन हो सकती है।

शब्दजाल - 7967

शब्द जाल में यूरोपीय संघ के 10 सदस्य देशों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

आस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, नीदरलैंड, स्वीडन, युनाइटेड किंगडम

श	रा	आ	स्ट्रि	या	गा	ह	ट	झ	क	यू
बे	ल्जि	य	म	रि	लैं	ता	स्वी	शा	को	ना
ज	र	डे	झि	दा	चि	सिं	ड	ला	ल	इ
फ्रां	स	दा	न	ल	क	इ	न	दा	र	टे
व	रा	र	ष	मा	मि	ज	र्म	नी	र	ड
फि	ह	प	व	दा	र्क	ला	ती	झ	न	किं
न	ट	नी	अं	ग्री	स	ट	ह	ला	ह	ग
लैं	जी	वा	द	क	छ	सौ	न	ट	जू	ड
ड	थो	तें	व	र	ज	दा	ने	दा	र	म
र	ल	प	ति	रं	लैं	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	ड	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 7966 का हल

[illegible]										
[illegible]										
[illegible]										
[illegible]										
[illegible]										
[illegible]										
लो	क	म	त	वे	म	ला	र	मा	स्को	ण
र	मि	नो	व	न	प	र	रा	ल	र	ला
क	तृ	र	अ	लं	का	र	उ	न	जू	दे
र	भू	मा	मा	न	सिं	ब्रा	र	जा	प	श
बां	मि	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	लो	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6911

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6910

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		श	जा	
ला		अं	त			गे		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		डॉ
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8435

बाएँ से दाएँ

1. खटपट,ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड,दम,शामन-3
9. धरा,भूमि-3
11. शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया,करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि,देवमुनि-3
20. सब्जी,भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह,दोष,जुर्म-3
2. अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3. सौत,दूसरी स्त्री-3
4. होशियार,गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद,तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह,भवन-3
21. जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8434 का हल

फ	न	का	र		ग	ज	रा	
ला	त		बै		ज		ह	क
हा		या	या	व	र			ल
र	स	द		ध		प	ला	श
		गा	ल		जी	त		
क	हा	र		आ		झ	र	ना
हा			ग	ठ	जो	ड़		म
नी	र		म		क		ना	व
	ब	द	न		र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.02 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.22 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.45 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.00 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.40 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मेष	23.11 बजे से
		वृष	00.51 बजे से
		मिथुन	02.49 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 203 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 07.06 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 19.25 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 15.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.06 बजे, गर 17.52 बजे तदनन्तर वणिज 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 16' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872413 **जूलियन दिन** 2460878.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मनुष्य की पहचान

यह उस समय की बात है, जब कबीर दास की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैलने लगी थी। लोग बड़ी संख्या में उनसे मिलने आते थे। एक दिन जब वह कपड़ा बुन रहे थे, उनके पास कई सेठ आए और बोले, 'अब आप साधारण व्यक्ति नहीं रहे। जब साधारण व्यक्ति थे तब तो आपका कपड़ा बुनना ठीक था। पर अब आप की चर्चा संत के रूप में होती है। आप को फटे-पुराने कपड़े पहने हुए देख हमें शर्म महसूस होती है। फिर आप को अपने हाथ से कपड़ा बुनने की आवश्यकता ही क्या है। अब हम लोग आप की हर जरूरत को पूरा करेंगे। आप के लिए एक भव्य आश्रम बना देंगे।' कबीर ने कहा, 'आप लोगों को देख कर मुझे शर्म आती है। पहले मैं अपने लिए कपड़ा बुनता था, मगर अब गरीब लोगों के लिए बुनता हूं। मेरी देखादेखी और लोग भी यह काम करेंगे। मनुष्य को अपनी पहचान नहीं खोनी चाहिए। आज आप उस समय हमारी मदद करने आए हैं जब मुझे आपकी सहायता की जरूरत नहीं है। आप उनकी सहायता करें जिन्हें आपकी जरूरत है। आप देखते होंगे कि काशी के घाट पर कितने लोग भूखे सोते है। उन्हें देख कर आप को शर्म महसूस नहीं होती होगी। क्योंकि आप हमारी मदद करने नहीं अपना प्रचार पाने के लिए यहां आए हैं।' यह सुन कर सभी सेठ शर्मिंदा हो गए और उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने वचन दिया कि वे हर रोज काशी के घाट पर गरीबों को खाना खिलाएंगे। तब से शुरु हुई वह परंपरा काशी में आज भी जारी है।

सूडोकु नवताल- 7220

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7219 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी से बाजार में ये बढ़त आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.61 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,200.34 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 122.30 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,090.70 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी प्रकार, निफ्टी 50 की 50 में से 28 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 21 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये है। वहीं एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 5.38 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे अधिक 3.29 फीसदी गिरे। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.76 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.19 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.75फीसदी, बीईएल 1.37 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.14 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.06 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.05 फीसदी, एलएंडटी 1.05 फीसदी, पावरग्रिड 1.04 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, आज एचसीएल टेक के शेयरों में 1.21 फीसदी , टीसीएस 0.99 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.97 फीसदी , आईटीसी 0.59 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.फीसदी , टेक महिंद्रा 0.31 फीसदी और एनटीपीसी के शेयरों में 0.16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 12.1 अंक की बढ़त के साथ 81,769.83 के स्तर पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 25,958 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 फीसदी उछला है जबकि एएसएक्स 200 फीसदी गिरा। अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स शुरुआती एशियाई घंटों में गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.06 फीसदी बढ़ा, नैस्डैक 100 फ्यूचर्स 0.08 फीसदी बढ़ा और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 24 अंक ऊपर आया।

भारत की यूपीआई सेवा बनी डिजिटल भुगतान की दुनिया में नंबर वन

नई दिल्ली। भारत अब डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस सफलता का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई शुरू किया था, जो आज भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने का सबसे तेज़, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है। इससे कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्लिक में किसी भी बैंक में पैसे भेज या प्राप्त कर सकता है। जून 2025 तक यूपीआई के जरिए हर महीने लगभग 18.39 अरब लेन-देन होते हैं, जिनकी कुल रकम 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह पिछले वर्ष जून के मुकाबले 32 प्रतिशत की वृद्धि है। आज भारत में 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी यूपीआई से जुड़े हैं। 675 बैंक यूपीआई नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बैंक के नाम की चिंता नहीं करनी पड़ती। भारत में डिजिटल लेन-देन का 85 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया के आधे से अधिक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत के यूपीआई से होते हैं। यूपीआई की सेवा यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस जैसे सात देशों में शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत यूरोप में इसका पहला कदम है, जिससे वहां के भारतीय प्रवासियों को भुगतान करना और भी आसान हो गया है।

जिन्हें भारत से निकाला उन्हीं चीनी कंपनियों को हिस्सेदारी खरीदने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत सरकार फिर चाइनीज कंपनियों को हिस्सेदारी खरीदने का मौका देगी। सरकार के थिंक टैंक माने जाने वाले नीति आयोग की सिफारिश देखकर लगता है कि नीति आयोग ने हाल में ही सरकार को भेजे सुझाव में कहा है कि चीन की कंपनियों को भारतीय कंपनियों में 24 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी जानी चाहिए। नीति आयोग ने इसके लिए स्क्रूटनी की प्रक्रिया को और सख्त करने की भी बात कही है, लेकिन कुछ साल पहले चीन के सीधे निवेश वाली कंपनियों को सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर देश से निकाल दिया था। क्या एक बार फिर उन कंपनियों के भारत अपने दरवाजे खोल रहा है। मीडिया रिपोर्ट में मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अभी चीन की कंपनियों की ओर से भारतीय कंपनियों में किसी भी तरह के निवेश की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों से सघन जांच की जाती है। इस प्रक्रिया में गृह मंत्रालय के साथ विदेश मंत्रालय भी शामिल होता है, लेकिन अब नीति आयोग ने सुझाव दिया है कि चीन की कंपनियों बिना किसी अप्रूवल के ही भारतीय कंपनियों में 24 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी जानी चाहिए। एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि इस कदम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। मामले को वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और विदेशी मंत्रालय के साथ प्रधामंत्री कार्यालय भी इसका अध्ययन कर रहा है। वैसे तो यह जरूरी नहीं कि नीति आयोग की हर सिफारिश को सरकार मंजूर ही कर ले, लेकिन चीन के निवेश को लेकर यह सुझाव ऐसे समय में दिया जा रहा है, जबकि दोनों देशों के बीच साल 2020 से ही भयंकर टकराव चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल इस पर फैसला राजनेताओं को लेना है, जिसमें कुछ महीने लग सकते हैं। उनका कहना है कि उद्योग विभाग इसके पक्ष में है, लेकिन बाकी सरकारी विभागों की मंजूरी मिलना बाकी है। सरकार ने खुद साल 2020 में यह सख्त नियम बनाया था, जो दोनों देशों की झड़प के बाद लागू हुआ था।

चार पुत्रों ने कांवड़ में माता-पिता को बिठाकर कराया भगवान कोटेश्वर के दर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के एक छोटे से गाँव कोसमदेही (कोसमारा) की एक हृदयस्पर्शी और आध्यात्मिक कहानी सामने आई है, जो श्रद्धा, भक्ति और माता-पिता के प्रति समर्पण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है। गाँव के चार पुत्रों ने अपनी मन्नत पूरी होने की खुशी में अपने माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर 20 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा पूरी की और भगवान कोटेश्वर के दर्शन कराए। यह घटना न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाती है, बल्कि पारिवारिक प्रेम और एकता का भी प्रतीक है।

मन्नत और भक्ति की अनूठी कहानी

कोसमदेही गाँव के निवासी अनोत नेताम ने बताया कि उनके परिवार के चार भाइयों में से किसी को भी संतान सुख की प्राप्ति नहीं हुई थी, जिसके कारण परिवार का वंश आगे बढ़ने में बाधा आ रही थी। इस चिंता को लेकर चारों भाइयों ने भगवान कोटेश्वर से मन्नत मांगी थी कि यदि उनकी प्रार्थना पूरी होगी और परिवार में संतान सुख की प्राप्ति होगी, तो वे अपने माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर भगवान कोटेश्वर के मंदिर तक ले जाएंगे और उनकी पूजा-अर्चना करेंगे। अनोत ने बताया, हम चार भाई हैं, दुर्गेश, भीमराज, देवराज नेतामऔर हमने दादा कोटेश्वर से प्रार्थना की थी कि हमारे परिवार में संतान सुख प्राप्त हो ताकि हमारा वंशज चल सके। भगवान की कृपा से हमारी मन्नत पूरी हुई। इसके लिए हमने यह संकल्प लिया था कि हम अपने माता-पिता को अपने कंधों पर कांवड़ में बिठाकर भगवान के दर्शन कराएंगे।

20 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा

चारों भाइयों ने अपने संकल्प को पूरा करने के लिए एक विशेष कांवड़ तैयार की, जिसमें उनके माता- सुगनबाई नेताम व पिता जयलाल नेताम को आरामदायक तरीके से बिठाया गया। इस कांवड़ को कंधों पर उठाकर चारों भाई कोसमदेही गाँव से भगवान कोटेश्वर के मंदिर तक 20 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले। यह यात्रा आसान नहीं थी, क्योंकि लंबी दूरी के साथ-साथ रास्ते में कई चुनौतियाँ थीं, लेकिन भाइयों की भक्ति और माता-पिता के प्रति उनका प्रेम इन बाधाओं से कहीं बड़ा था। इस यात्रा में उनके साथ गाँव के 40 अन्य श्रद्धालु भी शामिल हुए, जिन्होंने पास की पवित्र सोन नदी से जल लेकर भगवान कोटेश्वर का अभिषेक किया। यह सामूहिक प्रयास गाँव की एकता और धार्मिक उत्साह को दर्शाता है। सोन नदी का जल हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है, और इसे भगवान शिव के अभिषेक के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।

सामूहिक भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक

इस यात्रा में शामिल गाँव के 40 श्रद्धालुओं ने सोन नदी से जल लाकर भगवान कोटेश्वर का अभिषेक किया। यह सामूहिक पूजा न केवल धार्मिक एकता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे एक परिवार की मन्नत पूरे गाँव के लिए एक उत्सव बन गई। अनोत नेताम ने कहा, हमारे गाँव के लोग भी हमारी खुशी में शामिल हुए। सभी ने मिलकर भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक किया और हमारी मन्नत पूरी होने की खुशी मनाई।

माता-पिता के प्रति समर्पण का उदाहरण

इस घटना में चार पुत्रों का अपने माता-पिता के प्रति समर्पण और श्रद्धा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर इतनी लंबी यात्रा करना न केवल शारीरिक श्रम का परिचय देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि उनके लिए माता-पिता का सम्मान और उनकी खुशी सर्वोपरि है। यह कृत्य भारतीय संस्कृति में माता-पिता के प्रति श्रद्धा और कर्तव्य की भावना को मजबूती से रेखांकित करता है।

जनपद पदाधिकारियों ने कावड़ियों का स्वागत कर कराया स्वल्पाहार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास मे लगातार कावड़ यात्रा जिले के अनेको उद्गम स्थल से जल लेकर कोटेश्वर धाम पंहुच रही है, इन्ही कावड़ यात्रियों का धर्मप्रेमी गणों के द्वारा जगह जगह स्वागत वंदन किया गया। इसी कडी में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को लांजी जनपद परिसर के सामने कावड़ियों का स्वागत सत्कार कर कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। विशेष रूप से ग्राम मोहझरी के लगभग 300 कांवड़िए चिखलामाली गायमुख से कांवड़ में जल लेकर 22 किमी की पदयात्रा कर भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक किया तथा वापसी में इन कांवड़ियों का जनपद पंचायत के सामने स्वागत सत्कार कर उन्हें स्वल्पाहार कराया। इस दौरान जनपद पंचायत लांजी के अध्यक्ष अर्चना रेवेंद्र खोंगल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाड़े, रेवजी करहाटकरे, गोवर्धन घोरमारे, भरत कबीरे, देवेन्द्र खोंगल, लिखेन्द्र उपराड़े, प्रमोद अग्रवाल, कोमल काड़े, मनीष जुझार, अनमोल तिड़के, ताराचंद रणदिवे, राजू सोयाम, प्रभुदयाल किरमे, जीतेन्द्र मोरघड़े, दादू नाकतोड़े, मोनू अग्रवाल, आमिर नाकतोड़े, बसंत ठाकरे, शंकरलाल पारधी, राजू अवसरे, दिलीप अवसरे, देवेंद्र तिवारी, योगराज आमाडारे, राजकुमार अवसरे, फेकन साह, अनिल अवसरे, रोहन नाकतोड़े, कैलाश भूते, ललिता पारधी, राधेश्वरी मिसारे, शारदा अवसरे, सरस्वती नाकतोड़े, जानकीबाई अवसरे, उषा देशमुख, पुष्पा जोशी, दुर्गा बाई रावते आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सावन के दूसरे सोमवार कोटेश्वर धाम में जल चढ़ाने भक्तों की उमड़ी भीड़

बालाघाट सहित क्षेत्र के सैकड़ों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास प्रारंभ होते ही लांजी के कोटेश्वर महादेव मंदिर में जो कि 108 उपलिंगो में से एक है यहां श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कावड़ यात्रा में 21 जुलाई सोमवार को सुबह 8 बजे गायत्री मंदिर के सामने से लगभग 250 से अधिक कांवड़ियों का जत्था वाहन के माध्यम से रवाना किया गया जो कि लांजी से 42 कि.मी. दुर स्थित चहेली (सीतापाला) छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल पर पूजा अर्चना कर एवं कांवड़ में जल लेकर द्वारा कांवड़िए नंगे पैर जंगल के कठिन रास्ते नदी नाले पार करते हुए सीतापाला जंगल, टिमकीटोला, रिसेवाड़ा, बम्हनवाड़ा, वारी, लोहारा, कालीमाटी, नीमटोला को पार करते हुए कोटेश्वर धाम पंहुचे जहां भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक कर विधि पूर्वक पूजन अर्चन किया।

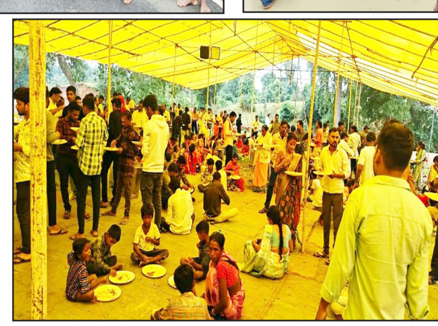

कान्द्रीघाट में कांवड़ियों के लिये जलपान व्यवस्था

बोलबम सेवा समिति के द्वारा कावड़ यात्रा में सम्मिलित कांवड़ियों के लिये कान्द्री घाट जो कि यात्रा का पहला पड़ाव होता है यहां पर समिति के द्वारा कांवड़ियों के लिये जलपान की व्यवस्था की जाती है जहां कांवड़िए जलपान ग्रहण कर आगे यात्रा के लिये प्रस्थान करते है। इसके पश्चात समिति के द्वारा कांवड़ियों को रास्तो में फल चाय आदि की व्यवस्था प्रदान करते है।

द्वितीय सोमवार को भारी संख्या में शिवभक्त पंहुचे कोटेश्वर धाम

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को भारी संख्या में शिवभक्त कोटेश्वर धाम पंहुचकर भगवान कोटेश्वर के दर्शन कर पूण्य लाभ अर्जित किया तथा अनेको श्रद्धालुओ के द्वारा अभिषेक पूजन अर्चन भी किया गया। वहीं कोटेश्वर मंदिर के अन्दर लगे टीवी स्क्रीन में भक्तो के द्वारा अभिषेक पूजन श्रृंगार आरती के दर्शन लाभ लिये।

जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत कर किया जलपान की व्यवस्था

कांवड़ यात्रा के प्रारंभ होते से ही भक्तगणों के द्वारा कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की जाती है, इसी क्रम में सर्वप्रथम नैवेद्यम होटल के संचालक प्रणीत दुबे के द्वारा प्रातः 8 बजे कांवड़ियों को जलपान कराकर रवाना कराया। इसी क्रम में महाकाल सेवा समिति से महाकाल सेवा समिति आशीष श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, राकेश अस्तने, रोहन अस्तने, मनीष बिलगौर, मुकेश सोनी, संकेत किरमे, साहिल लालानी, आदित्य रामटेककर, उमेश गुप्ता, सानू श्रीवास्तव, अक्षय मझगैया के द्वारा कांवड़ियों के लिए कांवड़ यात्रा के मार्ग पर जलपान कराया गया। मार्ग में आगे रिसेवाड़ा में गुप्ता परिवार के द्वारा कांवड़ियों के लिए हलवा पुरी एवं फलाहार की व्यवस्था की गई, जो कि यह विगत 26 वर्षों से व्यवस्था की जा रही है। वहीं आगे बम्हनवाड़ा में बोल बम किराना स्टोर के संचालक द्वारा कांवड़ियों के स्नान व जलपान की व्यवस्था की गई। इसी कड़ी में दशन क्लिनिक लांजी डॉ वर्षा सिंह, राधेमीना सहित उनकी टीम के द्वारा जलपान कराया गया। लांजी पहुंचते ही कांवड़ियों के लिए खरोले पॉली क्लिनिक के द्वारा कांवड़ियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर जलपान कराया। बालाघाट से आए कांवड़ियों का दुलापुर आरामिल के सामने भूपेंद्र रहमतकर, राहुल आसटकर, सौरभ रहमतकर, अजय रणदिवे, मेहतर धरते व अन्य भक्तों द्वारा स्वागत कर जलपान कराया।

गोंदिया के मित्र मण्डल के द्वारा महाप्रसाद वितरण

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को कोटेश्वर धाम परिसर में जहां कांवडियों एवं श्रृद्धालु भक्त जनों की भीड़ नजर आती है वही शिवभक्तो के द्वारा परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गोंदिया मित्र मण्डल द्वारा महाप्रसाद का आयोयजन किया गया।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। उच्च शासन के निर्देशानुसार धरती को हरियाली से आच्छादित करने के उद्देश्य से श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लांजी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शैक्षणिक और अशैक्षणिक स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने इस दौरान

सभी को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करने का महत्व बताया। कार्यक्रम में अमरूद, जामुन, नीम, आम, अशोक और गुलमोहर जैसे पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण में छात्र-छात्राओं नेहा कुशले, अनामिका बेदरे, ज्योति बम्बुरे, किर्तिका बड़घैया, सोनल पाडे, प्रीति गाडेकर, इशिका सहारे, रिजा परवीन और माधुरी कुशले ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इन सभी ने पौधों की 30 दिनों तक देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई, शैक्षणिक-अशैक्षणिक स्टाफ और छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के संचालक बिनीश मैथ्यू, प्रधानाचार्य सनोज पी.एस., संस्थापक लक्ष्मीचन्द कर्राहे, संचालक गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया, किशोर कर्राहे, श्रीराम कर्राहे और समस्त स्टाफ ने छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सर्पदंत से कमलकिशोर बीमार अस्पताल में उपचार जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कोस्ते निवासी २७ वर्षीय कमलकिशोर पटले २१ जुलाई को सर्पदंत से बीमार हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान कमल किशोर पिता टेकचंद पटले उम्र २७ वर्ष कोस्ते निवासी अपने खेत में खेती कार्य करने के लिए सुबह गया हुआ था। जहां पर खेत में परहा कार्य चालू होने के दौरान उसके द्वारा खेत में लगी खार को खोदने का कार्य किया जा रहा था। तभी करीब सुबह ८ बजे अचानक खार खोदते समय उसके हाथों में अज्ञात सर्प के द्वारा काट लिया। जिसने सर्प को देखा परंतु पानी खेत में होने से पहचान नहीं कर पाया उसके द्वारा घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। जिन्होंने उसे तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया है जहां उसका उपचार जारी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भाजपा संगठन की ऑक्सीजन हैं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता

कांग्रेस जैसी पार्टियां सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती हैं, सजग रहें कार्यकर्ता -डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति की बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भाजपा संगठन की ऑक्सीजन हैं। कांग्रेस जैसी पार्टियां सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती हैं, इसके लिए युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा और विरोधियों को अपने मकसद में कामयाब नहीं होने देना है, ताकि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनने में कोई अड़चन न आए। कार्यकर्ता संकल्पों और सिद्धांतों के साथ भाजपा की विजय यात्रा में योगदान जारी रखें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मोर्चा कार्यकर्ता अपने कामों से समाज में ऐसी छवि बनाएं, जो यादगार रहे। अपने आचरण और व्यवहार पर ध्यान दें, उसे निखारें। अगर आपको समाज में सम्मान मिलेगा, तो हमारे दल को भी सम्मान मिलेगा। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि युवा मोर्चा समीक्षा के माध्यम से अपने कामों का सिंहावलोकन करे। बैठक को युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने भी संबोधित किया। बैठक में युवा मोर्चा के कार्यकाल की पुस्तिका 'समर्पण' अतिथियों को भेंट की गई।

युवा देश की क्रांतिकारी परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान देते रहें- डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत दुनिया का युवा देश है। सबसे बड़ा और सशक्त लोकतांत्रिक देश है। देश में जब से गणतंत्र लागू हुआ, देश लगातार आगे बढ़ रहा है। देश को आजादी दिलाने में क्रांतिकारी युवाओं का अहम योगदान है। शहीद भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों ने आगे बढ़कर देश को आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इन क्रांतिकारियों के योगदान से मिली आजादी अलग प्रकार की है, क्योंकि भारत के साथ दक्षिण अफ्रीका भी आजाद हुआ था। भारत में क्रांतिकारियों ने एक भी अंग्रेज को देश में नहीं रहने दिया, इसका परिणाम यह हुआ कि भारत आज विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को गुलाम बनाने वाले देश के आजाद होने के बाद भी उसके संसाधनों पर कब्जा कर बैठे रहे और आज भी दक्षिण अफ्रीका के नागरिक अलग प्रकार की दुनिया में ही जी रहे हैं।

भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने में मप्र की बड़ी भूमिका होगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद 55 सालों तक देश में शासन किया, लेकिन देश को उस मुकाम तक नहीं पहुंचा सके, जहां उसे होना चाहिए था। कांग्रेस पार्टी सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती है। दस तरह की बातें करने वाली कांग्रेस के अंदर कुछ और होता है, बाहर कुछ और होता है। युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा और कांग्रेस के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने के मंसूबे में कामयाब नहीं होने देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश का लगातार विकास करते हुए भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने में जुटी है। इस काम में मध्यप्रदेश के युवा भी अपने परिश्रम व पुरूषार्थ से पूरा योगदान दें। उन्होंने कहा कि युद्ध के मोर्चों में जिस प्रकार विजय प्राप्त करने के बाद सेना अपने पड़ाव की ओर आगे बढ़ती जाती है, लेकिन बीते युद्धों का स्मरण भी हमेशा करती रहती है, ताकि आगे के युद्ध भी वह आसानी से जीतती रही। इसी प्रकार हमारे युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी वर्ष 2023 के विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के ऐतिहासिक विजय के स्मरण के साथ आगे बढ़ते रहें और आने वाले समय में होने वाले किसी भी चुनाव में भाजपा की इस विजय यात्रा को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान देते रहें। हमें पूरा विश्वास है कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने के जिस संकल्प को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्य कर रहे हैं, उस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश की भी बड़ी भूमिका होगी।

सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाए युवा मोर्चा-हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नई बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने वो मूलभूत चीजें और सुविधाएं आमजन को उपलब्ध कराईं, जिनके बारे में कांग्रेस की सरकारों ने 70 वर्षों में सोचा तक नहीं। इसी तरह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार प्रदेश के विकास की चिंता कर रहे हैं।

सीएम के लौटते ही मप्र में प्रशासनिक फेरबदल की अटकलें तेज

- नॉन परफार्मर आईएएस-आईपीएस हटेंगे

भोपाल। स्पेन-दुबई की यात्रा से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को लौट आए। अब उनके विदेश के दौरे से लौटते ही प्रदेश में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। मंत्रालय से लेकर फील्ड तक नॉन परफार्मर आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की धडक़नें तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री द्वारा मंत्रालय से लेकर जिलों तक प्रशासनिक सर्जरी की जाना है। इसमें कलेक्टर, एसपी, संभागायुक्त से लेकर मंत्रालय में सचिव और प्रमुख सचिव के नाम शामिल हो सकते हैं। मंत्रालय में कई अधिकारियों की जिम्मेदारी बदल जा सकती है। कुछ अधिकारियों के पास एक से अधिक विभागों के काम की जिम्मेदारी है। इसको कम किया जा सकता है।

कई जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे

प्रदेश के एक दर्जन जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। इसमें अलीराजपुर, भिंड, धार, रतलाम, शिवपुरी, गुना, रीवा, जबलपुर के कलेक्टर को बदला जा सकता है। जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना को राज्य स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इसी प्रकार कुछ जिलों के कलेक्टर को भी बदला जा सकता है। वहीं लगभग 100 डिप्टी कलेक्टरों, जॉइंट कलेक्टरों और एडिशनल कलेक्टरों को भी नई पोस्टिंग मिल सकती है।

प्रत्येक जिले को मिलेंगे एडीएम और जॉइंट कलेक्टर

राज्य प्रशासनिक सेवा के डिप्टी कलेक्टरों में से 30 से ज्यादा को जॉइंट या एडिशनल कलेक्टर पद पर प्रमोट किया जा चुका है। इन अधिकारियों को अब उन जिलों में पदस्थ किया जाएगा, जहां अपर कलेक्टर नहीं हैं। ऐसे करीब 8-9 जिले चिन्हित किए गए हैं। जॉइंट कलेक्टरों की खाली जगहों को भी भरा जाएगा। प्रशासन ने इस बार यह भी ध्यान में रखा है कि पति-पत्नी दोनों यदि अधिकारी हैं तो उन्हें एक ही जिले में पोस्टिंग न दी जाए।

मांडू में कांग्रेस विधायकों के लिए नव संकल्प शिविर आयोजित, सोनू शर्मा ने सिखाए लीडरशिप के गुर

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने विधायकों के लिए मांडू में दो दिवसीय नव संकल्प शिविर का आयोजन किया। शिविर के पहले दिन 21 जुलाई को प्रदेश के सभी कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए हैं, जहां भाजपा सरकार को विधानसभा में घेरने की रणनीति तैयार करने के साथ ही लीडरशिप के गुर भी सिखाए गए हैं।

शिविर की शुरुआत मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा के प्रेरणादायक सत्र से हुई। पहले दिन के पहले सत्र में उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक कांग्रेस विधायकों को लीडरशिप, संवाद और टीमवर्क जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया। खास बात यह रही कि विधायक उनके व्याख्यान को गंभीरता से सुनते नजर आए और विद्यार्थियों की तरह नोट्स भी बनाए।

सोनू शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया, कि मैं पहली बार किसी राजनीतिक पार्टी के आमंत्रण पर आया हूं। नेताओं के बीच बोलना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यहां के विधायकों ने मेरी बातों को जिस तरह गंभीरता से लिया, उससे मैं प्रभावित हुआ।

शिविर में कुल 12 सत्र होंगे, जिनमें महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, किसान संकट, आदिवासी मुद्दों जैसे ज्वलंत विषयों पर चर्चा की जा रही है। पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी वर्चुअल माध्यम से शिविर से जुड़कर नेताओं को मार्गदर्शन दे रहे हैं। कांग्रेस का यह चिंतन शिविर न केवल आत्ममंथन का मंच है, बल्कि आगामी चुनाव के लिए मजबूत रणनीति गढ़ने का अवसर भी बना है।

बिजली विभाग में परमानेंट होंगे संविदा कर्मचारी

संविदा कर्मचारियों को भी करनी होगी भर्ती परीक्षा पास

भोपाल। मप्र सरकार प्रदेश की तीनों बिजली कंपनियों में 49 हजार 263 पदों पर भर्तियां करने जा रही हैं। इन भर्तियों से बिजली कंपनियों में चली आ रही कर्मचारी अधिकारियों की कमी पूरी हो जाएगी। भर्ती को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा की जा रही इस मेगा भर्ती में बिजली कंपनियों में पूर्व से संविदा और आउटसोर्स पर काम कर रहे कर्मचारियों की धडक़नें बढ़ गई हैं। हालांकि इस भर्ती प्रक्रिया के जरिए परमानेंट होने के लिए इन कर्मचारियों को भी मौका मिलेगा। इसके लिए राज्य सरकार इन संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को उम्र और अनुभव के हिसाब से छूट देगी। इसके लिए इन्हें अलग से 20 नंबर दिए जाएंगे।

मप्र की मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में इस भर्ती के बाद नियमित पदों की संख्या बढक़र 77 हजार 298 हो जाएगी। 14 साल बाद होने जा रही इस भर्ती अभियान के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राज्य सरकार अगले तीन सालों में इस भर्ती अभियान को पूरा करेगी। इस भर्ती अभियान में पूर्व से काम कर रहे इंजीनियरों को भी फिर से परीक्षा देनी होगी। ऐसे संविदा कर्मचारियों को भर्ती अभियान में अलग से बोनस अंक किए जाएंगे, लेकिन शासन के इस फैसले से विरोध शुरू हो गया है।

कर्मचारी कर रहे सीधे नियमित करने की मांग

संविदा बिजली कर्मचारियों ने सरकार ने बिना परीक्षा नियमित करने की मांग करते हुए भर्ती प्रक्रिया का विरोध किया है। कर्मचारियों ने यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्पलाइज एंड इंजीनियर्स के नेतृत्व में इस मामले को लेकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन के अध्यक्ष वीकेएस परिहार सवाल उठाते हैं कि, जब संविदा कर्मचारी पहले ही परीक्षा देकर बिजली कंपनियों में आए थे, तो नियमित करने एक बार फिर परीक्षा कराने की आवश्यकता क्या है। 5 हजार संविदाकर्मियों को सीधे नियमित किया जाना चाहिए। यह सभी करीबन 15 से 20 सालों से बिजली कंपनियों में काम कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को भर्ती अभियान शुरू करने से पहले इन्हें नियमित करना चाहिए।

अधिकारी बोले-परीक्षा तो देनी होगी

उधर ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, नई भर्ती में पूर्व से काम कर रहे संविदा कर्मचारियों को मौका दिया जाएगा। इसके लिए सभी संविदा कर्मचारियों को भर्ती अभियान में शामिल होना होगा। विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के मुताबिक, ऐसे कर्मचारियों को उनकी उम्र और अनुभव के आधार पर अलग से बोनस अंक दिए जाएंगे। साथ ही उम्र में भी छूट का प्रावधान किया जाएगा। बिना परीक्षा पास किए किसी की भी भर्ती नहीं की जाएगी। भर्ती अभियान में 211 सहायक यंत्री, 1339 जूनियर इंजीनियर, 8094 लाइन सहायक और 20 हजार 118 पदों पर लाइन परिचालक की भर्ती होगी। इसके अलावा अन्य दूसरे पदों पर भी भर्तियां होंगी।

बांधों को लेकर नई कार्ययोजना बनाने की तैयारी

- जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने बांधों की मांगी रिपोर्ट

भोपाल। बारिश के कारण लबालब हुए बांधों और जल भराव के चलते पानी निकासी की स्थिति को देखते हुए जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने प्रदेश के सभी बांधों की रिपोर्ट तलब की है। मंत्री ने विभाग के प्रमुख इंजीनियर्स से यह खासतौर पर पूछा है कि प्रदेश में ऐसे कितने बांध हैं, जो वर्तमान में शहरी सीमा में आ गए हैं। सरकार ऐसे बांधों को लेकर भविष्य में नई कार्ययोजना बनाने की तैयारी में है। इसके अलावा, जल संसाधन विभाग के रेस्ट हाउस की दशा सुधारने को लेकर भी विभाग प्लान तैयार कर रहा है।

प्रदेश के सभी मुख्य अभियंता, परियोजना संचालकों को पत्र लिखकर जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता ने कहा है कि विभाग के मंत्री तुलसी सिलावट मानसून सत्र के पहले विभाग की समीक्षा बैठक लेने वाले हैं। ऐसे में सभी अधिकारी इस जानकारी के साथ बैठक में मौजूद रहेंगे।

अफसरों से मांगी कई जानकारी

जल संसाधन मंत्री ने अफसरों से कई जानकारी मांगी है। विभाग के आधिपत्य में कितने भवन हैं, कितनी संपत्तियां हैं? इसकी चीफ इंजीनियर क्षेत्र वार जानकारी दी जाना है। विभाग के अधीन कितने रेस्ट हाउस, इंस्पेक्शन बिल्डिंग है? इसकी विस्तृत जानकारी देने के लिए कहा गया है। विभाग या चीफ इंजीनियर क्षेत्र के ऐसे सभी बांधों की सूची दी जाए, जो वर्तमान में शहरी क्षेत्र में आ गए हैं। विभाग की ऐसी नहरों का ब्योरा मांगा गया है, जिसके अंतिम छोर तक पिछले रबी सीजन में पानी नहीं पहुंचा है। बांध और नहरों के सुधार के लिए राशि का ब्योरा दिया जाए। विधानसभा के फरवरी 2024 में हुए सत्र के दौरान जिन ध्यानाकर्षण प्रस्तावों का जवाब दिया गया है, उसकी जानकारी भी मंत्री ने अलग से मांगी है।

शहरी सीमा में आ चुके ये बांध

प्रदेश में शहर के किनारे कई बांध हैं, जिनमें से कोलार बांध, केरवा बांध और कलियासोत बांध हैं। ये बांध भोपाल शहर के पास स्थित हैं। कलिया सोत और केरवा तो काफी हद तक शहरी सीमा में भी हैं। इसके अलावा भोपाल का हथाईखेड़ा डैम में शहरी सीमा में आ गया है। भदभदा बांध भोपाल में स्थित है और शहर के लिए पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत हइंदौर में यशवंत सागर बांध भी शहर की सीमा में शामिल हो गया है। यह बांध इंदौर शहर की 2 लाख लोगों की आबादी को पेयजल की आपूर्ति करता है।

अब सुपर स्वच्छ लीग में शामिल रहेगा भोपाल

इंदौर-सूरत से होगा मुकाबला; इस बार अपनी कैटेगिरी में दूसरे नंबर है भोपाल

भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में भोपाल दूसरे नंबर पर रहा है। वहीं, देश की सबसे स्वच्छ राजधानी और 7 स्टार रैंकिंग भी मिली है। अब अगले सर्वेक्षण में भोपाल सुपर स्वच्छ लीग में शामिल होगा और उसका मुकाबला इंदौर, सूरत, नबी मुंबई, विजयवाड़ा, अहमदाबाद जैसे शहरों से होगा। बता दें कि स्वच्छ सर्वेक्षण के नतीजे 17 जुलाई को घोषित हुए थे। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटी कैटेगरी में इंदौर एक बार फिर नंबर वन बना। वहीं, सबसे साफ शहरों में भोपाल दूसरे नंबर पर रहा है।

भोपाल को 12,500 में से 12067 अंक मिले हैं। इसी कैटेगरी में अहमदाबाद पहले नंबर पर रहा, जो भोपाल से सिर्फ 12 अंक ही ज्यादा लाया है। हालांकि, सेग्रीगेशन में भोपाल के 5 प्रतिशत नंबर कटे, जबकि रेमिडेशन में 0 अंक मिले। यदि ये अंक मिल जाते तो अहमदाबाद को पछाड़ सकते थे। ऐसे में अब निगम ने इन्हीं पैमानों पर काम करना शुरू कर दिया है। अफसरों की बैठकें भी हो चुकी हैं।

इंदौर से ऐसे आगे हो सकता है भोपाल

इंदौर में हर घर से 6 तरह से कचरा अलग-अलग किया जा रहा है। गीला, सूखा, प्लास्टिक, बाथरूम का कचरा, हानिकारक चीजें और पुराने इलेक्ट्रॉनिक सामान। भोपाल में सिर्फ 20 से 30त्न ही कचरा सही से अलग हो पाता है। इंदौर में रोज 1192 टन कचरा निकलता है, जबकि भोपाल में 800 टन। वहां की आबादी करीब 35 लाख है, भोपाल की 25 लाख। इंदौर कचरे के निपटारे में आगे है। इंदौर ने कचरे की खंती (देवगुराडिय़ा) को हटा दिया। नई जगह कचरा डंप नहीं होने दिया। भोपाल में पहले भानपुर में कचरा डाला जाता था, अब आदमपुर में पहाड़ बन रहा है। कई बार आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाएं भी सामने आती है। भोपाल में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था पर भी ज्यादा फोकस करना पड़ेगा।

12,500 में से 12067 अंक

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की गिनती शुरू

भोपाल। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चार दिन तक चलने वाली शाकाहारी जानवरों की गिनती शुरू हो गई है। इस बार की गिनती रिजर्व के नौ अलग-अलग इलाके में फैले 139 बीट्स में की जा रही है। लगभग 800 अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षा कर्मचारी जंगल में पैदल चलकर विभिन्न शाकाहारी जानवरों की संख्या को रिकॉर्ड कर रहे हैं। इस गिनती में चीतल, सांभर, बार्किंग डीयर, बारहसिंगा, नीलगाय, चौसिंगा, लंगूर, गौर, जंगली सुअर, भालू, जंगली कुत्ता, सियार और काला हिरण जैसी कई प्रजातियों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तक पहुंचा सिया विवाद मामला

- आज मुख्यमंत्री कर सकते हैं उच्च स्तरीय समीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी यानी सिया विवाद मामला सीएम डॉ मोहन यादव तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री इस मामले में कल उच्च स्तरीय समीक्षा कर सकते हैं। दरअसल, सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान और पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ नवनीत मोहन कोठारी के बीच टकराव हुआ था। मामला इतना अधिक बढ़ा कि सिया चैयरमेन ने प्रमुख सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश तक कर डाली है। यह पूरा मामला मामला करीब 450 प्रकरणों में पर्यावरणीय अनुमति दिए जाने से जुड़ा है। 23 मई को खनिज, उद्योग और बड़े निर्माण प्रोजेक्ट को पर्यावरणीय मंजूरी जारी की गई थी। सिया चैयरमेन का आरोप है कि स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी के बिना पर्यावरण विभाग के अफसरों ने प्रमुख सचिव के अनुमोदन से 450 मामलों में डीम्ड पर्यावरणीय मंजूरी जारी कर दी गई। जबकि विभाग को पर्यावरण मंजूरी देने का अधिकार ही नहीं है।

आरोप है कि पर्यावरण अनुमतियां संबंधी बैठक बुलाने के लिए दो-दो बार पत्र भी लिख चुके हैं। अधिकतम 45 दिन में बैठक होना चाहिए, लेकिन 70 दिन में एक भी बैठक आयोजित नहीं की गई। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में सिया चैयरमेन ने लिखा है कि खनिज के 200 समेत 450 केस में पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में सिया की अनदेखी की गई है।

2030 तक मप्र का नक्शा बदल देगी यह अर्बन ग्रीन पॉलिसी

- शहरों में एसी का बिल होगा आधा : लोगों को घरों में प्लांटेशन के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

भोपाल। मप्र सरकार जल्द ही एक ऐसी पॉलिसी लेकर आने जा रही है, जिससे प्रदेश के शहरों का कायापलट होने वाला है। इस पॉलिसी के मंजूर होने के बाद जहां पार्क से लेकर घरों की छत तक हरियाली की चादर नजर आएगी। वहीं इससे वायु और पर्यावरण प्रदूषण भी काफी हद तक रुकेगा। सबसे खास बात यह है कि गर्मी के दिनों में एसी के भारी-भरकम बिल से जूझने वाले उपभोक्ताओं को भी राज्य सरकार की इस पॉलिसी से राहत मिलेगी।

अर्बन ग्रीन पॉलिसी वाला 13वां राज्य होगा एमपी

दरअसल शहरों में बढ़ते क्रंकीट के जंगल और कार्बन उत्सर्जन के कारण दिनों-दिन तापमान बढ़ रहा है। इसके साथ वायु और पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ रहा है। इसको नियंत्रित करने के लिए अर्बन ग्रीन पॉलिसी जरूरी है जो हरियाली से संबंधित प्रावधानों को नियमित करती है। मप्र में अर्बन ग्रीन पॉलिसी को लेकर पहले चरण का काम शुरू हो गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और गोवा समेत 12 राज्यों में अर्बन ग्रीन पॉलिसी पहले ही लागू हो चुकी है।

पार्क से छत तक दिखेगी हरियाली की चादर

बता दें मप्र के शहरों को प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए राज्य सरकार अर्बन ग्रीन पॉलिसी लाने जा रही है। इसके तहत पार्कों से लेकर छतों तक हरियाली पहुंचाई जाएगी। यह काम शासकीय, सामुदायिक और निजी जिम्मेदारी से पूरा होगा। शहरों में ग्रीन बेल्ट, रूफ टॉप गार्डन, पॉकेट पार्क और स्पंज पार्क तैयार किए जाएंगे। शहर में प्रदूषण के हॉटस्पॉट को चिह्नित कर सबसे पहले इन स्थानों पर हरियाली विकसित की जाएगी। पहले बंजर और हरित जमीन का सर्वे किया जाएगा इसके बाद योजना बनाई जाएगी।

हरियाला से आधा होगा एसी का बिजली बिल

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर देवेंद्र व्यास ने बताया कि यदि किसी घर या कार्यालय के आसपास हरियाली और खुली जगह है, तो परिसर का तापमान नियंत्रित रहता है। ऐसे में एसी को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती और बिजली कम खर्च होती है। दरअसल पेड़-पौधों की छाया से वाष्पोत्सर्जन होता है, जो हवा का ठंडा करता है। इससे एसी को कम मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रकार अर्बन ग्रीन पॉलिसी प्रदेश में अप्रत्यक्ष रूप से बिजली बिल को कम करने में योगदान कर सकती है।

मियावाकी तरीके से तैयार होंगे जंगल

शहरों में अर्बन पॉलिसी लागू होने के बाद लोगों को घरों में प्लांटेशन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मियावाकी तकनीकी से रूफ टॉप या वर्टिकल गार्डन तैयार किए जाएंगे। शहरी आवासीय और खाली जगहों पर वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। औद्योगिक पार्क, नदियों के आसपास और फ्लाइओवर के नीचे खाली पड़ी जमीन पर भी पौधरोपण होगा। शहरों में हरित आवरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित करेगी और शहरों को उनके हरित आवरण के अनुसार रेटिंग देगी।

40 प्रतिशत तक कम होगा वायु प्रदूषण

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि प्रदेश की आबोहवा को शुद्ध रखने के लिए अर्बन ग्रीन पॉलिसी जरूरी है। विभाग के केबिनेट मंत्री ने भी इसके निर्देश दिए थे। संविधान के प्रवाधान के अनुसार शहरी क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के इंतजाम करने की जिम्मेदारी नगरीय निकायों को सौंपी गई है। ऐसे में प्रदेश सरकार नई अर्बन ग्रीन पॉलिसी बनाने जा रही है। इसका उद्देश्य साल 2030 तक 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण कम करना है।

इंजर्ड खिलाड़ियों ने बढ़ाई भारत की चिंता, आकाश और अर्शदीप पहले से घायल

नीतीश मैनचेस्टर टेस्ट से पहले चोटिल

अंशुल कंबोज भारतीय टीम में शामिल

मैनचेस्टर, एजेंसी।

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट से पहले भारतीय टीम की परेशानियां बढ़ती नजर आ रही हैं। रविवार को बैटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हो गए हैं। उनके घुटने में चोट लगने की सूचना है। नीतीश से पहले तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने की खबरें आई थीं। इनके कवर के तौर पर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, बीसीसीआई ने प्लेयर्स की इंजरी पर कुछ नहीं कहा है। फिलहाल, भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा।

आकाश दीप की कमर में दर्द

न्यूज एजेंसी PTI ने एक रिपोर्ट में लिखा आकाश दीप कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। उनकी उपलब्धता पर संदेह है। वहीं, अर्शदीप के उपलब्ध होने की संभावना कम है। इसलिए सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है।

अर्शदीप ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हुए

अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बॉलिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच टेन डोश्चेट ने बताया था कि बॉलिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चालेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टिस करना भी मुश्किल हो जाएगा।

भारतीय टीम मैनचेस्टर पहुंची

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें रविवार को मैनचेस्टर पहुंच गईं। उससे पहले टीमें लंदन के बेकनहम में ही प्रैक्टिस कर रही थीं। लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला गया था। जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत ने दूसरा टेस्ट जीता था। टीम इंडिया चौथा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-2 से बराबरी करना चाहेगी।

अंशुल ने रणजी ट्रॉफी की एक पारी में 10 विकेट झटके

टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए के लिए दो मैचों में शानदार प्रदर्शन के बाद 24 साल के कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने नॉर्थेम्पटन और कैंटरबरी में चार पारियों में पांच विकेट लिए थे। पिछले साल लाहली में केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने के बाद अंशुल कंबोज सुर्खियों में आए थे। वह बंगाल के प्रेमांसु चटर्जी (1956-57) और राजस्थान के प्रदीप सोमसुंदरम (1985-86) के बाद रणजी ट्रॉफी में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे गेंदबाज हैं।

श्रीसंत की मासूम बेटी की बातों से टूट गया था हरभजन का दिल

थप्पड़ मारने को लेकर अब भी हैं दुखी

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह साल 2008 में हुए आईपीएल में साथी क्रिकेटर एस श्रीसंत को थप्पड़ मारने के मामले को लेकर अब भी दुखी हैं। हरभजन ने कहा कि ये एक ऐसी चीज है जिसे वह अपनी जिंदगी से हटाना चाहते हैं, क्योंकि श्रीसंत से कई बार माफी मांगने और बेटी से भी माफी मांगने के बाद भी इसे ठीक नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि इस घटना के कारण उनकी बेटी श्रीसांविका ने तक उनसे बात नहीं की जिससे भी उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ।

हरभजन ने एक शो में कहा, 卐मेरी जिंदगी में एक चीज जिसे मैं बदलना चाहूंगा, वह श्रीसंत के साथ वाली वह घटना है। मैं उसे अपने करियर से हटाना चाहता हूं। जो हुआ वह गलत था और मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मैंने 200 बार माफी मांगी। हां, उस खेल में हम प्रतिद्वंद्वी थे पर मुझे ऐसा नहीं करना चाहिये था।卐

हरभजन ने यह भी याद किया कि जब उन्होंने श्रीसंत की बेटी श्रीसांविका के बारे में सुना तो वह 'टूट गए' थे। साथ ही कहा कि कई सालों बाद भी मुझे जो सबसे ज्यादा चोट पहुंची, वह तब थी जब मैं उनकी बेटी से मिला और उससे बहुत प्यार से बात कर रहा था तो उसने कहा, 'मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। आपने मेरे पापा को मारा।' तब मेरा दिल टूट गया और मैं आंसुओं के कगार पर था। मुझे लगा कि एक बच्चे के मन में मेरी किस प्रकार की धवि बनी है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मैंने उस पर क्या छाप छोड़ी है? वह मुझे एक बुरे व्यक्ति के रूप में सोच रही होगी, है ना? वह मुझे उस व्यक्ति के रूप में देखती है जिसने उसके पापा को मारा।

भज्जी ने आगे कहा, मुझे बहुत बुरा लगा। मैं अभी भी उसकी बेटी से माफी मांगता हूं कि मैं कुछ नहीं कर सकता। मैं उसे बार-बार कहता हूं, 'लेकिन अगर कुछ भी है जो मैं कर सकता हूं जिससे तुम्हें अच्छा लगे और तुम सोचो कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, तो कृपया मुझे बताओ।' मैं चाहता हूं कि जब वह बड़ी हो जाए, तो मुझे उसी नजर से न देखे।

मैच नहीं होने से भड़के अफरीदी, बोले एक सड़े अंडे ने सब बेकार किया

लंदन। अपने विवादास्पद बयानों के लिए हमेशा ही चर्चाओं में रहने वाले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इंकार करने के बाद एक बार फिर जहर उगला है। भारत से मैच नहीं होने पर अफरीदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक खिलाड़ी के कारण ही ये सब हुआ है। साथ ही इस खिलाड़ी को सड़ा अंडा तक बोल दिया पर किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। अफरीदी ने कहा, खेल देशों को करीब लाते हैं। अगर राजनीति हर चीज के बीच आ जाए, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? बिना बातचीत के, चीजें हल नहीं हो सकतीं। इस तरह के आयोजनों का लक्ष्य भी एक-दूसरे से मिलना-जुलना है पर एक खिलाड़ी ने सब बेकार कर दिया। अफरीदी ने साथ ही कहा, उन्होंने मैच से एक दिन पहले ही ट्रेनिंग की थी। मुझे लगता है कि उन्हें केवल एक खिलाड़ी की वजह से मैच से नाम वापस लेना पड़ा है। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही लोग इस प्रकार के मैच के खिलाफ थे। ऐसे में लोगों की भावनाओं की अनदेखी खिलाड़ी भी नहीं कर पाये।

सचिन के साथ अपना नाम देखकर सम्मानित अनुभव कर रहा - एंडरसन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर उन्हें एक अलग ही अहसास हो रहा है। इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सार्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम देखकर उन्हें गर्व का अनुभव भी हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज के शुरु होने से पहले इसका नाम पटौदी सीरीज से बदलकर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रख दिया था हालांकि इस पर कुछ क्रिकेटरों ने आपत्ति भी जतायी थी और कहा था कि नाम बदलना सही नहीं है। इसके अलावा से भी कहा गया था इसमें सचिन का नाम पहले रखा जाना चाहिये थे पर ईसीबी ने एंडरसन का नाम पहले कर दिया। पटौदी ट्रॉफी भारत के पूर्व क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर थी। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम जुड़ाहै, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने साथ उनका नाम देखता हूं तो मुझे अजीब सा लगता है क्योंकि मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने अपनी टीम और पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह से ट्रॉफी साझा करना बहुत बड़ी बात है। गौरतब है कि अपने करियर में तेंदुलकर ने 200 जबकि एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं। वहीं दो दशक के करियर में सचिन के नाम 51 टेस्ट शतक और 15000 से अधिक रन है।

पांड्या और जैस्मिन के ब्रेकअप की अटकलें

मुम्बई। भारतीय सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और उनकी गर्लफ्रेंड जैस्मिन वालिया के बीच ब्रेकअप की बातें उठ रही हैं। नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद से पांड्या का नाम जैस्मिन से जुड़ा था और चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान जैस्मिन को कई बार मैच में देखता गया था। इसके बाद से ही दोनो के बीच रिलेशनशिप की बातें उठीं थीं पर अब इन दोनो ने ही एक दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि ये जोड़ा अब अलग हो गया है।

इसी को लेकर कई प्रशंसकों ने भी अलग अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं और कहा है कि दोनों शायद अलग हो गये हैं। पांड्या और जैस्मिन ने एक-दूसरे को सोशल मीडिय में अनफॉलों कर दिया है पर दोनों ने ही अपनी डेटिंग की खबरों पर कोई कमेंट नहीं किया था और अब ब्रेकअप की चर्चा पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हार्दिक और जैस्मिन की डेटिंग की चर्चा तब तेज हुई जब दोनों की यूनान दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुईं थीं। जैस्मिन ब्रिटिश गायक और मॉडल हैं हालांकि उनके मातापिता भारतीय मूल के हैं। ब्रिटेन की एक रियलिटी टीवी सीरीज, द ओनली वे इज एसेक्स में आने के ब बाद जैस्मिन को पहचान मिली थी।

बुमराह के खेलने का फैसला उनपर ही छोड़ दें - रैना

बर्मिंघम। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। रैना के अनुसार बुमराह एक महान गेंदबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलने का फैसला हमें उनपर ही छोड़ देना चाहिये। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इस सीरीज में केवल तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने पर संशय छाया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना डॉक्टर की सलाह पर अधारित रहेगा क्योंकि इससे पहले उनकी पीठ की सर्जर हुई थी। वहीं कुछ क्रिकेटरों का से भी मानना है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पिछड़ रही है। इसलिए बुमराह को बचे हुए मैचों में खेलना चाहिये। जिससे कि भारतीय टीम ये सीरीज जीत सके। रैना यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लेने के लिए आये हैं। इसी दौरान रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, इसका फैसला डॉक्टर लेगा। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है। उन्होंने साथ ही कहा, बुमराह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं कि कैसे अपने को बेहतर बनाये रखना है। रैना ने कहा कि बुमराह के लिए थोड़ा आराम जरूरी है क्योंकि वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं हालांकि अगले टेस्ट में टीम प्रबंधन उन्हें टीम में रखना चाहेगा। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उंगली में भी चोट लगी है। इसलिए दोनों के लिए चौथा टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है। अगर उन्हें सीरीज ड्रॉ करनी है या टीम को जीत दिलानी है, तो मुझे लगता है कि दोनों का चौथे टेस्ट में खेलना बहुत जरूरी होगा। अब तक इस दौर में दो टेस्ट मैचों में बुमराह ने 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में 5 विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह पिछले दो साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 2024 के टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, वहीं बॉर्डर गावस्कर सीरीज में में 32 विकेट लिए।

भारत में एशिया कप हॉकी के लिए टीम नहीं भेजना चाहते - पीएचएफ

लाहौर। भारत में अगले माह होने वाले एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान के शामिल होने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से वह अगले माह भारत में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजना चाहता है। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा है कि उन्होंने इस मामले में एक पत्र भी भेज दिया है। उन्होंने कहा, "हमने कहा भारत में खेलते समय हमें खतरा है। हमने साफ कर दिया है कि खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने तैयार नहीं हैं।

पाक कोच ने पहले टी20 में हार के बाद पिच पर उठाये सवाल

ढाका। बांग्लादेश ने यहां हुए पहले ही टी20 मैच में पाकिस्तान को हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है हालांकि इस हार का ठीकरा पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने पिच पर फोड़ दिया। हेसन ने कहा कि ये पिच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर की नहीं थी। इस मैच में पाकिस्तान की टीम 109 रन ही बना पाये और बांग्लादेश की टीम ने ये लक्ष्य 15.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर बड़े आराम से हासिल कर लिया। इस प्रकार उसने पाकिस्तान पर पहले टी20 में 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और फखर जमान 44 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज मैदान पर टिक नहीं पाया।

हेसन ने कहा, यह पिच किसी भी मैच के लिए भी सही नहीं है। टीमें एशिया कप या टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं और उनके लिए इस प्रकार की पिच पर खेलना ठीक नहीं है। यह पिच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती है। मुख्य कोच ने कहा कि ऐसी पिचों पर खेलने से बांग्लादेशी टीम को विदेशी धरती पर कोई लाभ नहीं बल्कि नुकसान ही होगा।

उन्होंने साथ ही कहा, क्रिकेटरों को निखारने के लिए अच्छे विकेटों की जरूरत होती है। बीपीएल के दौरान कुछ अच्छे विकेट थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर को देखा जाये तो ये विकेट उतने अच्छे नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि यह पिच किसी के लिए भी अच्छी है। फिर भी हम अपनी टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए कोई बहाना नहीं बना रहे।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है? हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है।

इन गेंदों को एक खास गेज या माप उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी।

हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिप्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो। अंपायर केवल उसके सबसे करीबी विकल्प को ही चुन सकते हैं, जिससे कभी-कभी टीमें असंतुष्ट भी होती हैं। गेंद तभी बदली जाती है जब उसका आकार बिगड़ जाए, गीली हो जाए या उस पर साफ चोट हो। सिर्फ नरम होने पर उसे बदला नहीं जाता। गेंद पर किसी तरह का मार्किंग नहीं होता, इसलिए अगर कोई गेंद पहले स्विंग दे चुकी हो, तो भी उसे पहचानना मुश्किल होता है।

अर्शदीप चौथे टेस्ट से बाहर हुए

नई दिल्ली। भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बाहर हो गये हैं। अर्शदीप को अभ्यास सत्र में चोट लग गयी थी। इसके अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल होने के कारण सीरीज से ही बाहर हो गये हैं।

चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बीसीसीआई की परेशानी भी बढ़ गयी है। बीसीसीआई के अनुसार नीतीश कुमार रेड्डी पूरी सीरीज से जबकि अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट से ही बाहर हैं। रेड्डी के घुटने में चोट लगी है जबकि अर्शदीप सिंह का हाथ अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गया था। इसी कारण युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया गया है। इसके अलावा उपकप्तान ऋषभ पंत और आकाशदीप भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नितीश बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह स्वदेश लौट जाएँगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। बेकेनहैम में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय उनके बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम अभी उनकी निगरानी कर रही है। इसी कारण अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है। कंबोज मैनचेस्टर में टीम से जुड़े हैं। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है।

मैनचैस्टर में अपने 9000 रन पूरे कर सकते हैं राहुल

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के बल्लेबाज के एल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। राहुल इस मैच में अपने 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए केवल 60 रनों की जरुरत है। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में राहुल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदार तकनीक और बल्लेबाजी के बाद भी वह टेस्ट क्रिकेट में अधिक सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।

उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता की कमी की बात की जाती रही है। इससे उनका बल्लेबाजी औसत भी उतना आगे नहीं आया जितना कि आना चाहिये। राहुल ने भी अपने बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें निराशा होती है। । टेस्ट की जगह वह एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 में वह चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। इस सीरीज में अबतक इस बल्लेबाज ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बाद भी वह एशिया के बाहर वह काफी सफल रहे हैं, उनके दस में से नौ टेस्ट शतक विदेशी धरती पर हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ लगाये हैं। अब दो मैच शेष रहते हुए उनके पास इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।

अगले माह होने वाले एशिया कप से पहले सुधार करें हॉकी टीम - श्रीजेश

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगस्त में होने वाले एशिया कप के लिए टीम को काफी सुधार करना होगा। श्रीजेश के अनुसार एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और इससे टीम की आंखे खुल जानी चाहिये। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी पर अवसरों का लाभ नहीं उठाने से परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। यह परिणाम हमें एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले सुधार की जरुरत पर बल देने के संकेत दे रहा है। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। एशिया कप 2025 बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। वहीं एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक खेले जाएंगे। पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह तय करना है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार दर्शक मैदान में रहेंगे जिनकी उम्मीदें आप पर रहेंगी और इससे स्वीकार करना होगा। एक कोच होने के कारण मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना सबसे महत्वपूर्ण है।

ईडी को फटकराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा....कुछ बोलने पर मजबूर मत करो

राजनीतिक लड़ाई में ईडी क्यों इस्तेमाल हो रहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जमकर फटकार लगाई और ईडी के कथित राजनीतिक रूप से इस्तेमाल होने को लेकर तीखी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सीएम की पत्नी के खिलाफ दायर ईडी की याचिका को खारिज कर दिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। इस पर खुशी जताते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि आखिरकार न्याय हुआ और मुडा मामले का भी अंत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है? ये टिप्पणी सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की बेंच ने सोमवार को मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड केस में ईडी की अपील की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने कहा कि हमारा मुंह मत खुलवाइए। नहीं तो हम ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरे पास महाराष्ट्र का कुछ अनुभव है। आप देशभर में इस हिंसा को मत फैलाइए।

दरअसल, ईडी ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सीएम की पत्नी पार्वती के खिलाफ मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड घोटाले में कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। अदालत ने ईडी की याचिका खारिज कर दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

कर्नाटक सीएम ने जताई फैसले पर खुशी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई और एक बयान जारी कर कहा कि आखिरकार न्याय हुआ। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय का आदेश बरकरार रखा और ईडी की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने ईडी के खिलाफ टिप्पणी करने में सावधानी बरती और उन्होंने कहा कि मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को उच्च न्यायालय के फैसले में कोई गलती नहीं लगी। न्याय हुआ और मुडा घोटाले में ईडी का दखल अब बंद हो जाएगा। मैसूर अर्बन डेवलेपमेंट अथॉरिटी मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती सिद्धारमैया को जमीन आवंटन में अनियमितता के आरोप लगे थे। आरोप है कि सीएम की पत्नी को मुडा ने एक जमीन अधिग्रहण के बदले में मैसूर में पॉश इलाके में ज्यादा महंगी जमीन आवंटित की। इस मामले में करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप लगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर खरगे ने पूछे कड़े सवाल तो नड्डा बोले-

आजादी के बाद ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही और पहले ही दिन जमकर हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ऑपरशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रहा है। राज्यसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिस पर भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने भी जोरदार जवाब दिया।

खरगे ने पहलगाम हमले के आरोपियों को लेकर पूछे कड़े सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राज्यसभा में सवाल उठाते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी अभी तक न पकड़े गए हैं और न ही मारे गए हैं। सभी पार्टियों ने एकजुट होकर सरकार को इस मुद्दे पर समर्थन दिया, ऐसे सरकार की तरफ से हमें पहलगाम हमले पर और उसके बाद के घटनाक्रम पर हमें जानकारी दी जानी चाहिए।

सरकार पर सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप

खरगे ने कहा कि पहलगाम हमले में सरकार से सुरक्षा लापरवाही हुई और ये खुद एलजी ने स्वीकार किया है। साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी कई खुलासे किए। ऐसे में सरकार को हमें जानकारी दी जानी चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 24 बार कहा कि मेरी मध्यस्थता से समझौता हुआ, तब भारत-पाकिस्तान का संघर्ष थमा। ये देश के लिए अपमानजनक है कि एक बाहर का आदमी ऐसा दावा कर रहा है।

नड्डा बोले- आजादी के बाद नहीं हुआ ऐसा ऑपरेशन

इस पर सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि इस सदन के माध्यम से देश में ये संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं चाहते, हम चर्चा करेंगे और इस मुद्दे पर हर बात को सदन के पटल पर रखा जाएगा। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि देश की आजादी के बाद देश में आज तक ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ, जैसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में हुआ। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए नोटिस दिया गया है और जो भी समय तय किया जाएगा, सरकार इस पर चर्चा करेगी और हर सवाल का जवाब दिया जाएगा।

केरल हाईकोर्ट को एआई पर क्यों लेना पड़ा बड़ा फैसला

-जिला न्यायपालिका में एआई पूर्ण प्रतिबंध, नीति उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

कोच्चि। एक तरफ हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है तो दूसरी तरफ केरल हाईकोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को लेकर एक ऐतिहासिक नीति जारी कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल जारी इस नीति के तहत राज्य की जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों, कर्मचारियों और विधि प्रशिक्षुओं को किसी भी न्यायिक निर्णय, आदेश या कानूनी तर्क में एआई टूल्स का उपयोग करने से सख्त मना किया गया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में एआई का प्रयोग निष्कर्ष, राहत या निर्णय तक पहुंचने के लिए नहीं किया जाएगा, क्योंकि न्यायिक निर्णय की विषयवस्तु और सत्यनिष्ठा की जिम्मेदारी पूरी तरह जजों की होती है। यह देश में अपनी तरह की पहली नीति है, जो एआई टूल्स की तेजी से बढ़ती पहुंच और संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। कोर्ट ने निजता, डेटा सुरक्षा और न्यायिक विश्वास पर असर जैसे विषयों पर गहरी चिंता जताई है।

नीति का उद्देश्य है कि एआई का उपयोग यदि हो भी, तो केवल सहायक उपकरण के रूप में, वो भी पूर्व अनुमति प्राप्त उद्देश्यों तक ही सीमित रहे। यह नीति जनरेटिव एआई टूल्स जैसे चैटजीपीटी, जेमिनीद्व, कॉपिलॉट और डीप-सीक के साथ-साथ अन्य डेटा आधारित टूल्स को भी कवर करती है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस नीति का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संबंधित सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

यह कदम न्यायिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही बनाए रखने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है, जिससे भविष्य में न्याय प्रक्रिया में एआई पर निर्भरता और संभावित पक्षपात को रोका जा सकेगा।

नीतीश से नहीं संभल रहा बिहार...बेटे को मुख्यमंत्री बना दें, राबड़ी देवी की सलाह

पटना। बिहार में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राज्य में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने को लेकर अटकलें लग रही हैं। हालांकि, अभी इस मुद्दे पर खुद निशांत या उनके पिता सीएम नीतीश कुमार ने अब तक कुछ नहीं कहा है। इस बीच अब राजद की नेता और बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश को एक सलाह दे दी है। बिहार में बढ़ते अपराध के मुद्दे पर राबड़ी देवी ने कहा है कि नीतिश से यह नहीं संभल रहा है इसलिए उन्हें अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए।

पटना में राबड़ी देवी ने कहा कि अपराध बिहार में बढ़ा गया है। पूरे बिहार में अपराध चरम पर है। बिहार में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति ठीक नहीं है। इसके बाद यदि नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है। नीतिश गृह हैं और मुख्यमंत्री भी हैं लेकिन नीतिश से अपराध नहीं संभल नहीं रहा है। इसके बाद जब राबड़ी देवी से पूछा गया कि क्या नीतीश को इस्तीफा देना चाहिए? तब इसपर राजद की नेता ने कहा, 'इस्तीफा दें या ना दें, अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना दें। उनसे नहीं संभल रहा है, तब बेटा संभालेगा।'

वहीं विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर राबड़ी देवी ने कहा कि वोटरों का नाम काटा जा रहा है और यह गलत हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाकर कहा कि जिसका नाम कट जाएगा क्या वहां बिहार का या भारत का नागरिक नहीं है? राबड़ी ने कहा, 'तीन करोड़ लोग जो बाहर जाते हैं उनका नाम कट गया, ये गलत काम कर रहा है। चुनाव आयोग को समझना चाहिए कि बरसात का दिन है, बाढ़ का दिन है और लोग कमाने के लिए बाहर जाते हैं। हम भारत सरकार और चुनाव आयोग से मांग करते हैं कि बिहार से बाहर जहां-जहां बिहारी हैं उन सभी को बुलाया जाए और फिर उनका वोटर आई कार्ड बनवाया जाए।'

डॉक्टरों ने पेट से 10.6 किलोग्राम का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर निकाला

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों ने एक मरीज के पेट से 10.6 किलोग्राम का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) सफलतापूर्वक निकाला है। यह एक दुर्लभ कैंसरयुक्त ट्यूमर होता है जो पाचन तंत्र में विकसित होता है। ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने बताया कि ट्यूमर का वजन 10.6 किलोग्राम था, जो कि एक असाधारण आकार है। यह ट्यूमर मरीज के पेट और उसके आसपास के लगभग सभी आंतरिक अंगों को प्रभावित कर रहा था, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा था। मरीज पिछले आठ महीने से इस बीमारी से जूझ रहा था। सर्जरी की जटिलता- वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने बताया कि इतने बड़े और कई अंगों से जुड़े ट्यूमर को निकालना बेहद जटिल प्रक्रिया थी।

आईपीएस अमरजीत बलिहार हत्याकांड पर हाईकोर्ट में दो जजों की अलग राय, अब चीफ जस्टिस तय करेंगे अगली सुनवाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में आईपीएस अमरजीत बलिहार हत्याकांड की सुनवाई के दौरान न्यायालय की खंडपीठ के दो जजों ने फांसी की सजा पाए दो नक्सलियों के मामले में अलग-अलग राय दी है। इससे यह मामला अब राज्य के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) के पास भेजा जाएगा, जो नई बेंच गठित कर अंतिम निर्णय लेंगे। खंडपीठ में शामिल जस्टिस संजय प्रसाद ने हत्या के दोषियों सुखलाल उर्फ प्रवीर मुर्मू और सनातन बास्की उर्फ ताला दा की फांसी की सजा को उचित ठहराया है और सरकार की अपील को स्वीकारते हुए सजा को बरकरार रखा। वहीं, जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने दोनों को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त घोषित कर दिया। जस्टिस संजय प्रसाद ने अपने फैसले में शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के परिजनों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसके अलावा, हादसे में शहीद हुए पांच अन्य पुलिसकर्मियों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देने और योग्यता के अनुसार नौकरी देने के निर्देश भी दिए गए हैं। जस्टिस प्रसाद ने यह भी कहा कि बलिहार के पुत्र या पुत्री को डिप्टी एसपी या डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया जाए और उन्हें उम्र सीमा में छूट भी दी जाए।

अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण की तैयारी

देहरादून । उत्तराखंड की पुष्कार सिंह धामी सरकार पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। उत्तराखंड सरकार के कार्मिक विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर विधायी विभाग को परामर्श के लिए भेजा है। यह आरक्षण अग्निवीरों के कल्याण और पुनर्वास के लिए दिया जाएगा। सरकार के सूत्रों के अनुसार, अग्निवीरों को वर्दीधारी सेवाओं जैसे पुलिस, परिवहन, आबकारी और वन विभाग में आरक्षण देने की सिफारिश की गई है, क्योंकि सेना से प्रशिक्षित होने के कारण वे प्रवर्तन सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने पिछले साल घोषणा की थी कि अग्निवीरों की सेवा पूरी होने के बाद उनके समायोजन और पुनर्वास के लिए ठोस व्यवस्था होगी। एक उच्च स्तरीय कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट धामी सरकार को सौंप दी है।

वकीलों ने दी कानूनी सलाह, ईडी ने समन भेजा

सुप्रीम कोर्ट बोला- एजेंसी सारी हदें पार कर रही, इसकी गाइडलाइन बननी चाहिए

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय सारी हदें पार कर रहा है। एक वकील और मुवक्किल के बीच की बातचीत विशेष होती है। भले ही वह गलत हो। उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं। कुछ तो गाइडलाइन होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के उस एक्शन पर चिंता और नाराजगी जताई जिसमें एजेंसी ने जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों की तरफ से पैरवी करने वाले वकीलों को समन दिया था। कोर्ट ने इस मामले में दिशा-निर्देश भी मांगे।

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच कानूनी पेशे की स्वतंत्रता पर ऐसी कार्रवाइयों से पडने् वाले असर से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी। यह मामला ईडी की तरफ से सीनियर एडवोकेट अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद उठा। इस मामले को कोर्ट ने खुद ही चुना था। अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी।

हमने वकीलों को समन न देने कहा है

सरकार और ईडी की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट की टिप्पणी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हाईलेवल पर रखा गया है। जांच एजेंसी को वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस नहीं देने के लिए कहा गया है। मेहता ने कहा कि झूठी कहानियां गढक़र संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। मेहता ने कहा कि जहां तक कमेंट का सवाल है, कभी-कभी ये अलग-अलग मामलों के आधार पर गलत तरीके से बनाई जाती हैं। यह मैं कह रहा हूं, ईडी नहीं। एक संस्था के खिलाफ एक कहानी गढने् की एक साजिश है। कोर्ट को कुछ मामलों में अतिक्रमण का पता चल सकता है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने भी कहा कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों से बात की है। उन्हें बताया है कि वकीलों को समन भेजना गलत था क्योंकि वकीलों को कानूनी राय देने के लिए समन नहीं किया जा सकता।

वकीलों ने उठाया कानूनी पेशे में आजादी का मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने चीन और तुर्की के साथ मुद्दे का हवाला देते हुए कहा, भारत को उन दूसरे देशों की राह पर नहीं चलना चाहिए जिन्होंने कानूनी पेशे की स्वतंत्रता पर हमला किया है। उन्होंने कहा- इसे हमेशा के लिए रद्द कर देना चाहिए। कहते हैं तुर्की में, पूरी बार एसोसिएशन को भंग कर दिया गया। चीन में भी ऐसा ही मामला है। वकीलों को खासकर कानूनी राय देने के लिए, तलब करना एक खतरनाक मिसाल कायम कर रहा है।

सुबह की नियमित सैर के दौरान सीएम स्टालिन को आया चक्कर...अस्पताल में भर्ती

चेन्नई,। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल के बुलेटिन के अनुसार, सुबह की नियमित सैर के दौरान उन्हें हल्का चक्कर आया। अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं के निदेशक डॉ. अनिल बीजी ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री की वर्तमान में जाँच हो रही है और सभी आवश्यक नैदानिक परीक्षण किए जा रहे हैं। अस्पताल ने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को सुबह की सैर के दौरान हल्का चक्कर आया। उनके लक्षणों की जाँच के लिए उन्हें चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आवश्यक जाँचें की जा रही हैं। इस बीच, 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में, एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री और सांसद ए अनवर राजा सोमवार को चेन्नई अन्ना अरिवलयम में डीएमके अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम में शामिल हो गए।

मांडू में कांग्रेस विधायकों के प्रशिक्षण में राहुल गांधी बोले

मप्र में भी चोरी हुआ जनादेश, अभी से तैयारी शुरू करें

मांडू । धार जिले के मांडू में चल रहे नव संकल्प शिविर में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी वर्चुअली जुड़े। राहुल गांधी ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को 95 प्रतिशत आबादी की लड़ाई लडनी् है। हमें दलित, आदिवासी, ओबीसी अल्पसंख्यकों के साथ ही सामान्य वर्ग के गरीबों की आवाज बनना है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। महाराष्ट्र के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ी करने की योजना है और मध्य प्रदेश में भी चुनाव चोरी हो सकता है। इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भिडक़र चुनावी तैयारी करना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ और युवा नेता सामंजस्य बनाकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करें। इस तरह के आयोजनों को जारी रखते हुए सडक़ पर भी आंदोलन करने की बात राहुल गांधी ने कही।

अर्थव्यवस्था दो चार उद्योगपतियों के हाथ में

राहुल गांधी ने कहा- हमें अपनी पार्टी के सीनियर लीडर्स का सम्मान करते हुए उनके अनुभवों का लाभ लेते हुए आगे बढना् है। कांग्रेस पार्टी ने जातिगत जनगणना को लेकर जो लड़ाई लड़ी उस संदेश को हमें घर-घर तक पहुंचाना है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दो चार उद्योगपतियों के हाथ में है। इससे हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि अगर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो यहां जातीय जनगणना करवाई जाएगी। सरकारी नौकरियों में दलित , पिछड़ों, आदिवासियों और महिलाओं को मौका दिया जाएगा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि अगले चुनाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से मैनेज रहेंगे। कांग्रेस को भी सोशल मीडिया को अपना हथियार बनाना पड़ेगा। सोच को बदलना होगा पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता बदलाव जरूरी होता है।

जज साहब को नहीं पसंद मीलॉर्ड संबोधन, वकील को सुनवाई के दौरान टोका

चंडीगढ़ । पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को वकीलों द्वारा मीलॉर्ड या माय लॉर्डशिप कहकर संबोधित करना पसंद नहीं है। एक मामले की सुनवाई के दौरान जब एक वकील ने उन्हें योर लॉर्डशिप कहा, तब जज ने उन्हें टोका और कहा कि सारे लॉर्डशिप ने साल 1947 में भारतीय तट को छोड़ दिया था। हम या सर हैं या फिर योर ऑनर हैं। बस इतना ही पर्याप्त है। गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अप्रैल 2011 में प्रस्ताव पारित कर सदस्यों से जजों को सर कहने की अपील की थी। यह मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है, क्योंकि कुछ वकील इस प्रथा को सही मानते हैं, जबकि अन्य इस प्रथा को अधीनता का पुराना प्रतीक मानते हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस तरह का मुद्दा उठ चुका है, जहां साल 2014 में एक बेंच ने कहा था कि ऐसी औपचारिकता जरूरी नहीं है और सम्मान से संबोधित करना ही काफी है।

ईडी का आरोप, डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में रॉबर्ट वाड्रा ने 58 करोड़ रुपये हासिल किए

नई दिल्ली,। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में अनियमितता की जांच में जुटी ईडी ने सोनिया गांधी के दामाद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ रुपये हासिल करने का आरोप लगाया है। ईडी का कहना है कि शिकोहपुर गांव में जो जमीन खरीदी गई थी, उसमें गड़बड़ी थी और इस सौदे से 58 करोड़ रुपये की रकम वाड्रा को मिली थी। ईडी ने केस में बीते सप्ताह ही रॉबर्ट वाड्रा सहित 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। शिकोहपुर में ही गुरुग्राम का सेक्टर 83 बसा हुआ है। जमीन को डीएलएफ ने खरीदा था और वहां कई सोसायटियां बस गई हैं। फिलहाल यहां जमीन काफी महंगी है, लेकिन एक समय में 3.5 एकड़ की भूमि महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी गई थी। यह जमीन रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर ली गई थी। फिर इसी जमीन को डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में 2012 में बेचा गया था। यह मामला तब सामने आया, जब आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने जमीन के म्यूटेशन यानी दाखिल खारिज पर रोक लगा दी थी। इस केस में रॉबर्ट वाड्रा से एजेंसी कई राउंड की पूछताछ कर चुकी है और उसके आधार पर ही चार्जशीट दाखिल की गई है। रिपोर्ट के अनुसार इस लैंड डील के लिए 53 करोड़ रुपये का भुगतान स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के नाम से हुआ था। इसके अलावा 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर दिए गए। आरोप है कि रॉबर्ट वाड्रा के नाम जमीन जाने के बाद उसका लैंड यूज बदला गया था। ईडी का कहना है कि रकम का इस्तेमाल रॉबर्ट वाड्रा ने पूंजी का इस्तेमाल कुछ अंचल संपत्तियों की खरीद, निवेश, लोन चुकाने आदि में किया। ईडी का कहना है कि रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को कॉमर्शियल लाइसेंस देने के मामले में भी काफी गड़बड़ियां की गई थीं।

बाप रे बाप ओडिशा में पूरा का पूरा एक गांव...निजी व्यक्ति को बेच दिया

करीब तीन पीढ़ियों से रह रहे 60 से ज्यादा परिवार अब दहशत में

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर में गजपति जिले का डाकतारा बंजारी गांव इनदिनों चर्चा में है। इस गांव में जहां पीढ़ियों से 60 से ज्यादा परिवार रहते हैं, एक निजी व्यक्ति को बेच दिया गया, जिससे निवासी सदमे में हैं और बेदखली का सामना कर रहे हैं।

यह गांव गोसानी प्रखंड के डाकतारा बंजारी है। गांव के बीचों-बीच एक पक्की सड़क है, जिसके दोनों ओर क्रांकीट की छतों वाले पक्के मकान बने हुए हैं। इतना ही नहीं गांव में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय और बच्चों के लिए एक आंगनवाड़ी केंद्र भी बना हुआ है। विकास के इन चिह्नों के बावजूद, जिस जमीन पर यह गांव बसा है, वहां जमीन अब उनकी नहीं रही। यहां पीढ़ियों से रह रहे निवासियों को हाल ही में पता चला कि जिस जमीन को वे अपना घर मानते थे, वह कानूनी तौर पर उनकी नहीं है। वहीं, ग्रामीणों को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उनके घर, प्लॉट, सामुदायिक सुविधाएं और यहां तक कि सरकार द्वारा समर्थित सुविधाएं भी कथित तौर पर एक ही व्यक्ति को बेच दी गई हैं।

कभी इस गांव के गौरवशाली जमींदार और संरक्षक माने जाने वाले निवासी अब इस सच्चाई से जूझ रहे हैं कि उनकी पुश्तैनी जमीन उनकी जानकारी के बिना ही किसी के हाथों में चली गई है। इस एहसास ने कई लोगों को निराशा में डाल दिया है, मानो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई हो।

एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, कथित तौर पर पूरे ज्ञात गांव को बेच दिया गया है, जिससे इसके लंबे समय से रह रहे निवासियों में असंतोष बढ़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह गांव करीब 100 साल पहले करीब 42 एकड़ निजी जमीन पर बसा था। यह जमीन आधिकारिक तौर पर एम चंद्रशेखर राव के नाम पर दर्ज है, जो एक जमींदार थे और जिनके स्वामित्व में यह इलाका आज भी है।

पीढ़ियों से कई परिवार गांव में बसे हैं, और कम से कम तीन पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं। गांव की आबादी लगातार बढ़ी है और अधिकांश निवासियों को विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं के तहत घर आवंटित किए गए हैं। गांव में सभी बुनियादी सरकारी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा मौजूद है, और लोग दशकों से यहां शांतिपूर्वक रह रहे हैं।

हालांकि, हाल ही में पूरी 42 एकड़ जमीन का स्वामित्व बदल गया है, क्योंकि चंद्रशेखर के कानूनी उत्तराधिकारियों ने जमीन एक नए खरीदार को बेच दी है। इस बिक्री से तनाव पैदा हो गया है, क्योंकि अब ग्रामीणों से जमीन खाली करने को कहा जा रहा है, जिसका वे कड़ा विरोध कर रहे हैं।

गजपति के कलेक्टर विजय कुमार दाश ने कहा है कि जब नया खरीदार औपचारिक भूमि हस्तांतरण (पट्टा) के लिए आवेदन करेगा, तब दाखिल-खारिज कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 21 जुलाई को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्यव कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्रीमती राजनंदिनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर धुर्वे, मायाराम कोल एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने कृषि, सहकारी बैंक एवं विपणन अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में उर्वरक की आपूर्ति एवं वितरण पर विशेष ध्यान दें। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध होना चाहिए। प्रायवेट दुकानों से विक्रय किये जाने वाले उर्वरक पर भी निगरानी रखें। जिले में उर्वरक की कालाबाजारी एवं कमी जैसी कोई समस्याए नहीं आना चाहिए। इस दौरान उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि जिले की सहकारी समितियों में पहले से ही 1735 मिट्रीक टन डीएपी उपलब्ध था और 20 जुलाई को आयी मालगाड़ी से 1653 मिट्रीक टन डीएपी उर्वरक और मिल गया है। जिले में 2500 मिट्रीक टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। यूरिया की आपूर्ति भी हो रही है।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जी पी बर्मन को निर्देशित किया गया कि वे कक्षा 01 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तयकों का वितरण कर उनकी पोर्टल पर एंट्री करें। पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री होने पर ही माना जायेगा कि पुस्तकों का वितरण हो चुका है। इसी प्रकार कक्षा 06 एवं 09 के छात्र-छात्राओं को साईकिलों का वितरण कर उसकी पोर्टल पर एंट्री करने कहा गया। पौधारोपण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिन विभागों को पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है उसके अनुरूप पौधों का रोपण शीघ्रता से पूर्ण करें। पौधारोपण के साथ ही उनकी सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था करने एवं गर्मियों के दिनों में भी पौधे जीवित रहें इसका इंतजाम किया जाये। इस दौरान निर्देशित किया गया कि पौधे लगाने के साथ ही उसकी फोटो अंकुर एप पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाये।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना ईकाई क्रमांक-01 व 02 के महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि पिछले दिनों हुई अतिवर्षा एवं बाढ़ के कारण जो सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं उनका सुधार कार्य शीघ्रता से करें। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में किसी तरह की असुविधा न हो। बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अटल पेंशन योजना में असंगठित क्षेत्र के लोगो को जोड़ने के लिए चलाए गए अभियान के अंतर्गत 11 हजार 636 महिला, 2084 पुरूष एवं 01 ट्रांसजेण्डर को जोड़ा गया है। इस प्रकार जिले में इस अभियान के अंतर्गत 13 हजार 729 लोगो को जोड़ा गया है। अटल पेंशन योजना के प्रारंभ होने से लेकर अब तक जिले के 01 लाख 08 हजार 273 लोगो को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। कलेक्टर श्री मीणा ने इस दौरान निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगो के खाते खुलवाया जाए। कटंगी विकासखंड में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं जनधन खाते के मामले में प्रगति कम होने पर अग्रणी बैंक प्रबंधक को इस पर विशेष ध्यान देने तथा कटंगी क्षेत्र में शिविर लगाने के निर्देश दिये गए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सुकन्या समृद्धि योजना में सभी पात्र बालिकाओं के डाक घर में शत प्रतिशत खाते शीघ्रता से खुलवाए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शेष रह गए पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनवाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी जल प्रदाय करने वाले स्त्रोतों की जांच करे और उनमें क्लोरिन की गोली अवश्य डाले। गर्रा में दूषित पेयजल के कारण डायरिया फैलने की चर्चा करते हुए कहा गया कि जल प्रदाय योजना की सभी टंकियों की सफाई कराए। जिले के अन्य क्षेत्रों में पुनः ऐसी समस्या नही आना चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि डायरिया फैलने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग का दल तत्काल मौके पर पहुंचना चाहिए।

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई और 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देकर उनका निराकरण कराने कहा गया।

22 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म करके फरार आरोपी गिरफ्तार

लालबर्रा थाना क्षेत्र की घटना, गिरफ्तार आरोपी सोनिया बिसेन भेजा गया जिला जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक 22 वर्षीय विकलांग लड़की को कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म करके फरार आरोपी को अजाक पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी गजेंद्र उर्फ सोनिया पिता धनलाल बिसेन 29 वर्ष लालबर्रा थाना क्षेत्र का रहने वाला है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। दुष्कर्म कि यह घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले एक गांव की है। यह 22 वर्षीय लड़की अपने परिवार के साथ रहती है और वह लड़की घरेलू काम करती है, जो दाहिने पैर से विकलांग है और धीरे-धीरे चलती है। 19 जुलाई को यह लड़की अपने घर में अकेली थी और परिवार के सभी लोग परहा लगाने के लिए खेत चले गए थे। दोपहर में इस लड़की के बड़े भाई और भाभी लालबर्रा बाजार चले गए थे । यह लड़की अपने बड़े भाई के घर में थी। 2:00 बजे करीब मोहल्ले में रहने वाला सोनिया बिसेन इस लड़की के घर आया और सोनिया बिसेन ने इस लड़की को घर मे अकेली और सुना मौका देखकर उसने इस लड़की को जबरदस्ती पकड़ कर घर के अंदर ले गया और दरवाजा बंद करके उसके साथ जबरदस्ती

दुष्कर्म किया लड़की जोर-जोर से चिल्लाने लगी थी उसी समय इस लड़की का बड़ा भाई और भाभी आ गए और दरवाजा खटखटा रहे थे आवाज सुनकर सोनिया बिसेन घर के पीछे दरवाजे से निकाल कर भाग गया घटना के संबंध में इस लड़की ने अपने भाई भाभी के अलावा परिवार के उन लोगों को बताई और रिपोर्ट करने के लिए लालबर्रा थाना पहुंची। लालबर्रा पुलिस ने इस 22 वर्षीय लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर सोनिया बिसेन के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया और पुलिस डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु अजाक थाना बालाघाट भेजी गई थी। अजाक पुलिस ने इस मामले की विवेचना दौरान 21 जुलाई को फरार आरोपी गजेंद्र उर्फ सोनिया बिसेन 29 वर्ष को उसके गांव में गिरफ्तार किये और बालाघाट लाकर यहां की विशेष अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

आवश्यकता है
संस्थान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक के समीप, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट